सामर्थ के द्वारा छुटकारा

कृपया, धन्यवाद। मित्रों, सुसंध्या। आज रात्रि यहां पर होना सौभाग्य है कि आप लोगों को फिर से अपने प्रिय यीशु मसीह के नाम में संबोधित करूं। और परमेश्वर के लोगों से कहीं भी, मिलना सदा सौभाग्य है, और उस महान नाम यीशु के लिए बात करना।

2 निश्चय ही हमारे भाई ने जो अभी गाना गाया उसकी सराहना करते है। यह, मेरा मन पसंद है। उस दिन जब वे यीशु को एक भविष्यव्यक्ता बनाने का यत्न कर रहे थे, या एक भला मनुष्य था, एक शिक्षक, वह वास्तव में उसका परमेश्वरत्व लाता है, कि वह क्या था। और मैं विश्वास करता हूं कि वह था...

3 उसके समान, इस पृथ्वी पर कोई कभी नहीं हुआ ना कभी होगा। वो इम्मेनुएल था। वो अल्फा, ओमेगा था; आदि और अंत था; वह जो था, जो है और आएगा; दाऊद का मूल और संतान; भोर का तारा। उसमें परमेश्वरत्व का निवास था। उसमें परमेश्वर था।

4 "परमेश्वर अपने पुत्र में था, मसीह में, संसार को अपने में मिला रहा था।" यीशु ने कहा, "यह मैं नहीं हूं जो कार्य करता है, परंतु यह मेरा पिता जो मुझ में रहता है। मेरा पिता और मैं एक है," परमेश्वर देह में, प्रगट हुआ। हम पर परमेश्व का कितना शानदार प्रेम का प्रगटीकरण हुआ, वह स्वयं को हम पर खोलेगा और नीचे आकर और मनुष्य की देह में निवास किया, ताकि मानव जाति के पाप और रोग ले ले, और हमें वापस पिता के पास छुड़ा कर ले चले। यह अद्भुत नहीं है क्या? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] निश्चय ही हम इसकी सराहना करते है।

5 अब, पिछली रात्रि, मैं समझता हूं एक प्रकार से मैं क्षमा मांगुगा। मैं... बिली मुझे थोड़ा जल्द ले गया, क्योंकि मुझे एक प्रकार की... मैं कमजोर हो गया। परंतु वे सभाए, वह विचारों को परखना, और कोई कभी नहीं जान सकेगा कि यह क्या है, जब तक कि यह... आपको इसमें आना है, कि इसे जाने, समझे। इसकी व्याख्या का यत्न करने की कोई विधि नहीं है। कोई—कोई विधि नहीं है कि आप कर सके। यह केवल एक अनुभव है जिसके—जिसके विषय में कोई नहीं जानता, केवल वही जो इसमें होकर

निकलते हैं। यह मानव जाति के लिए क्या करता है, यह मनुष्य को क्या करता है, उसमें से वही जीवन लेकर आता है!

6 आप, दो संस्कारों में जीते है। आप *यहां* एक संसार में जीते हैं और आप *वहां* उस संसार में है, जब आप किसी के साथ होते है, संभव है पच्चास वर्षों पहले; और आप आने वाले वर्षों में किसी के साथ होते है; और फिर भी आप अनुभव करते हैं कि आप यहां मंच पर खड़े है, और आप वर्षों पहले की किसी बात को बोल रहे हैं; संभव है सप्ताहो पहले की, महीनों पहले की; दूसरे देश की, दूसरे स्थान, या कुछ भी। और तब आप अपने को उसमें ठीक बनाए रखते हैं, और विचारों में; आपको बताता हूं, यह कोई बात है। परंतु परमेश्वर ने हमें अब तक आशीषित किया है, इसमें और हम बहुत आनंदित है, और अब विश्वास करते हैं कि सभा से परमेश्वर को महिमा मिलेगी।

7 अब, आज उस—उस रात्रि सभाओं में, मैंने सोचा, जब कि हम थोड़े से लोग एकत्र है; हमारी सभाये यही निकटवर्ती में विज्ञापित हुई है, और यह केवल आसपास के लोगों के लिए है। और इसके पहले कि हम सभाओ के बड़े भाग में प्रवेश करें, मैं आज, यह सोच रहा था, कि यदि हो सका तो मैं लोगों के लिए पुराने ढंग की शिक्षा के लिए यत्न करूंगा, बाईबल में से, लोगों के लिए; कि जब महान घटना आती है, यदि परमेश्वर इसे हम पर भेजता है, तब हम इसे भली प्रकार से समझने के योग्य होंगे।

8 कुल मिला कर, दिव्य चंगाई मछली पकड़ने के लिए वो—वो कांटे में चारा, जैसा कि आप जानते है। यह केवल यही है... मछली चारे को पकड़ती है और कांटे को ले लेती है। इसलिए हमारा विशेष... हमारा अंतिम यही है, कि, प्राण यीशु मसीह के लिए जीतना।

9 यदि परमेश्वर आज रात्रि आपको चंगा करता है इसके पहले आप की मृत्यु हो। आप फिर बीमार हो सकते हैं अब से एक वर्ष में, या दो वर्षों में, अबसे आगे, संभव है अब से एक सप्ताह में, या अब से एक दिन। मैं नहीं जानता। परंतु एक बात निश्चित है, कि आप किसी एक दिन, इस संसार को छोड़ने जा रहे हैं, क्योंकि यह केवल चिपका हुआ है।

10 परंतु वह प्राण जब भी पवित्र आत्मा के संपर्क में आता है और नया जन्म प्राप्त करता है, तो आपके पास अनंत जीवन है। कोई मतलब नहीं कि यहां क्या घटित हुआ, आप कभी भी नष्ट नहीं होते हैं। यीशु ने कहा,

"वह जो मेरे शब्द सुनता है मुझ पर विश्वास करता है, कि जिसने मुझे भेजा है," यह वर्तमान काल है, "अनंत जीवन, वह दोषी नहीं ठहरेगा; परंतु," भूतकाल, "मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर गया।" यह हमें मैथोडिस्ट बनाएगा और चिल्लाना आरंभ करता है, (क्या नहीं करता?) यह ठीक बात है, यह सोचता कि परमेश्वर ने यह किया है। अब, यह मेरे शब्द नहीं है; यह उसके हैं, संत यहुन्ना 5:24।

11 संत यहुन्ना 6, यीशु ने कहा, "वह जो मेरा मांस खाता है, और मेरा लहू पिता है, उसके पास अनंत जीवन है; और मैं उसे अंतिम दिन जिला उठाऊंगा।" यह ठीक बात है। "वह जो मेरा मांस खाता है और मेरा लहू पिता है," वह वर्तमान काल, "अनंत जीवन।" अब, यह "अनंत," यह एक बेदारी से दूसरी बेदारी में नहीं जाता है, परंतु अनन्तता में से निकलता है।

12 और अब, आप में से कुछ सेवकगण जो यहां पर बैठे हैं, यह जानते हुए कि अनंत "जीवन" उसी वचन से आता है अर्थात "परमेश्वर का जीवन।" वह शब्द जोई, ग्रीक शब्द जिसका, अर्थ, "परमेश्वर का अपना जीवन।"

13 तब, हम परमेश्वर के पुत्र या पुत्रियां हो जाते हैं, एक परमेश्वर की संतान, परमेश्वर के जीवन का भाग। हम में जैसे परमेश्वर नष्ट नही हो सकता, हम नष्ट नहीं हो सकते, यदि यह यत्न किया गया। इसलिए, हमारे पास अनंत जीवन है; और अंतिम दिन उठाए जाने वाले है। यह अद्भुत है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यह बैपटिस्ट, मैथोडिस्ट से, हाथ मिलवाएगा, और चिल्लवाएगा। क्या यह नहीं? निश्चय ही यह। यह ठीक बात है।

14 यह पुराने समय के धर्म के लिए अच्छी चीज है। यह प्रत्येक को एक साथ प्रेम में बैठाता है। निश्चय ही। सारी भिन्नताओ को हटा लेता है, नई सृष्टी बनाता है। यह एक—एक टेक्सडू कोट बनाता है, और सारा जोड़ा, और एक दूसरे के चारों ओर अपने हाथों को डाल कर और कहता है, "भाई, आप कैसे हैं? " यह ठीक बात है। निश्चय ही। यह रेशम की वेशभूषा बनाएगा, और एक छीट, उनके चारों ओर बाहों को डालेगी और कहती है, "बहन, मैं आप से प्रेम करती हूं।" यह यही करता है। यह निश्चय ही करता है, केवल भिन्नताओ को समाप्त कर देता है। "धनी और निर्धन, बंधुआ या स्वतंत्र, हम सब मसीह यीशु में एक है।"

15 रविवार आराधनालय में, जबकि मैंने देखा आराधनालय के सारे लोग यहां बैठे हुए थे, और हमारा—हमारा एक—एक संडे स्कूल याने रविवार शिक्षा का पाठ चल रहा था "लहू के द्वारा छुटकारा।" और मैं उसमें इतना तल्लीन हो गया था, यहां तक की मुझे ऐसा अनुभव होने लगा कि मैं दूसरे क्षेत्र में कहीं पर हूं: *लहू के द्वारा छुटकारा।*

16 और आज रात्रि, परिवार के जाने के पश्चात और यहां जल्दी आ गया था, ताकि गानों की सेवा सुन सकु, और आदि–आदि, मैं कमरे में था। और ऐसा प्रतीत हुआ... मैंने वचन पढ़ना आरंभ किया, और कुछ पाया। मैंने सोचा, "अच्छा, यदि प्रभु ने चाहा तो मैं आज रात्रि इस पर थोड़ी देर बातचीत करूंगा।"

17 यह, *लहू के द्वारा छुटकारा* रविवार को। अब, आज रात्रि, मैं *सामर्थ के द्वारा छुटकारा* पर मैं बोलने जा रहा हूं। और कल आने वाली रात्रि में मैं *संपूर्णता में छुटकारा* पर बोलने जा रहा हूं, (यदि परमेश्वर ने चाहा तो यही), *आनंद में।* लहू में, सामर्थ में, और आनंद में; छुटकारा!

18 और इसे निकालने के लिए... अब, बहुत से लोग, जैसे भले, पढ़े–लिखे विद्यमान जानते हैं कि इसमें किस प्रकार से प्रवेश करना है और इस प्रकार का प्रकाशन देना है, संभव है, *इसके* लिए या *उसके,* या कुछ छोड़ देना। परंतु, मैं, मैं यहां पर एक प्रकार से अनपढ़ प्रचारकों में से हूं जो... एक ही कार्य करना जानता हूं, कि इस बात में निश्चित रहूं कि मैं जो भी हो सत्य के समीप हूं, और छायाओ पर जाता हूं। यदि मैं दीवार की ओर चलना आरंभ करु, और प्रकाश *इस* ओर हो, मैं बता सकता हूं कि मैं कैसा दिखाई पड़ता हूँ; कि मैं चार पैरों वाला पशु हूं, या—या चिड़िया या यह क्या था, यदि मैं देखता हूं कि छाया किस प्रकार की परिवर्तित हो रही है।

19 अब, पुराना नियम नये नियम की छाया थी। यह नेगेटिव था। यह नेगेटिव था, जैसे चांद सूर्य के लिए; सूर्य चांद पर चमकता है, पृथ्वी पर प्रकाश को परिवर्तित करता है। और मैं पुराने नियम से प्रेम करता हूं! यह इस प्रकार से उदाहरणों से भरा हुआ है या यह जैसे भी हो सकता है। अब, सिद्ध...

20 उत्पत्ति में, जब पहले परमेश्वर ने उस—उस सूर्य को बनाया, बाद में चांद, चांद और सूर्य मसीह और कलीसिया का प्रतिनिधित्व करते हैं। जैसे

कि सूर्य अपनी सामर्थ और महिमा में आता है; और जब यह नीचे जाता है, तो यह अपना प्रकाश चांद पर चमकाता है, अंधकार में, ताकि जब सूर्य चला जाता है तो पृथ्वी पर जिया ना दे। यीशु, जब चला गया, वह महिमा में चला गया और अपनी ज्योति को कलीसिया पर चमकाता है; ताकि जब तक वह वापस नहीं आए कलीसिया को सुसमाचार का उजियाला दें, ओह, और तब वे विवाहित हो जाएंगे। यह शानदार होगा। यह चाँद का महान उजियाला होगा और... "वहां मेमना उजियाला होगा।" उन्हें फिर सूर्य की और आवश्यकता ना होगी, उस नगर में।

21 अब छोटे से पूर्व दर्शन के लिए, आइए निर्गमन में चले। और मैं आशा करता हूं कि आप मुझसे उबेंगे नहीं जब निर्गमन में बातें कर रहा हूं।

22 एक बार, वहां नदी के पार मेरे आराधनालय में, मैंने प्रचार किया, लगभग एक वर्ष और छह महीने, हर रात्रि अय्यूब पर प्रचार किया। वे वापस आएंगे; मैंने अय्यूब का थोड़ा सा भाग लूंगा, और चलता रहा, हम इसे बाईबल में से होते हुए लेंगे।

23 हर पवित्र वचन एक दूसरे के साथ सहमत है। परमेश्वर के वचन में विरोधाभास नहीं है। नहीं, श्रीमान। हर बिंदु सिद्ध है! केवल यही पुस्तक है जो प्रेरणा से इस प्रकार लिखी गई है, जो कि सिद्धता के साथ... बहुत सारे लेखकों के द्वारा लिखी गई है, और बहुत सेकड़ो वर्षों के अन्तरताल से; और उनमें से प्रत्येक पवित्र आत्मा के द्वारा, एक सहमति में होते हुए बोल रहा है। यही कारण है, कि उन सब अतिरिक्त पुस्तकों पर, वह मिकाबी और आदि, यह उनके साथ एक रसता में नहीं है, इसलिए मैं इसे मान्यता नहीं देता। *यह* मेरे लिए परमेश्वर का वचन *है*।

24 और बहुत सी महिलाओं ने मुझे चिट्ठी लिखी और कहा... मैं प्रचार कर रहा था; अय्यूब राख के ढेर पर। उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, आपने अय्यूब को बहुत समय से राख पर बैठा रखा है, क्या आप नहीं सोचते? वहां लगभग छह सप्ताहों से।" कहा, "क्यों, आप कब उसे राख पर से उठाने जा रहे हैं? "

25 ठीक है, मैंने कहा, "जब पवित्र आत्मा वचनों को आगे बढ़ाना बंद कर देगा, मैं समझता हूं मैं यह कहना छोड़ दूंगा।" परंतु जब तक वह मुझसे उसके विषय में बाते कर रहा है कि वह राख पर है, मैं इसी पर रुका रहा; और प्राण बचाए गए।

26 इसलिए, जैसे कि सुसमाचार प्रचारक नगर में आया। उसने प्रचार किया, एक रात्री उसने प्राश्चित पर प्रचार किया। अगली रात्री, उसने प्राश्चित पर प्रचार किया। फिर अगली रात्रि, प्राश्चित पर प्रचार किया। चार या पांच रात्रियों के पश्चात, डीकन की सभा उससे मिली और कहा, "भाई, क्या आप प्राश्चित को छोड़ और कुछ प्रचार नहीं कर सकते? "

27 कहा, "ओह, हां। पहले, इन्हें प्राश्चित करने दो, तब मैं कुछ और प्रचार करूंगा।" इसलिए यह एक—एक भला विचार है। उनमें से, प्रत्येक ने, प्राश्चित किया, तब हम कुछ और प्रचार कर सकते हैं। ठीक है।

28 छोटे से पूर्व दर्शन के लिए, उनके लिए था, या विशेषकर वे जो रविवार प्रातः आराधनालय में नहीं थे। हम वापस 12 वे अध्याय पर जाना चाहते है। परंतु हमारा आज रात्रि मूल विचार 14 वां अध्याय है, निर्गमन के 13 वे पद से आरंभ करके। अब, हम 10 वां पद छोड़ते हैं, रविवार प्रात: "*लहू के द्वारा छुटकारा।*" आप में से बहुत से कहानी से परिचित है, मुझे निश्चय है।

29 अब हम जानते हैं हम इस पुस्तक के पन्नों को वापस पलट सकते हैं, और इन पन्नों को पलट सकते है। परंतु केवल एक ही है जो इस पुस्तक को खोल सकता है, वह यीशु मसीह है।

30 यूहन्ना ने पुस्तक देखी। वह मोहर बंद थी। "और वह रोया क्योंकि स्वर्ग में इसे कोई मनुष्य नहीं खोल सका, पृथ्वी पर कोई मनुष्य नहीं, पृथ्वी के नीचे कोई मनुष्य नहीं। परंतु वहां एक मेमना था जो जगत कि उत्पत्ति के पहले से घात किया गया था, आया और जो सिहासन पर बैठा था उसके दाहिने हाथ से पुस्तक ले ली, और मोहर खोल दी और—और वो—वो पुस्तक खोल दी और मोहर तोड़ दी। और वह योग्य था, क्योंकि वह जगत कि उत्पत्ति से पहले घात किया गया था।"

31 हम आज रात्रि, उससे बातें करें और हमारे खोलने के लिए उससे विनंती करें, इसी समय।

32 अब, कृपालु, प्रिय पिता, हम तेरे पास आते हैं, तुझे पहले यीशु नाम में संबोधित कर रहे हैं। अब प्रार्थना कर रहे है, कि, जैसे कि हम आज रात्रि यहां इस छत के तले खड़े होते हैं, जहां कि बाहर तूफान का प्रकोप है, वर्षा तेज और हवा चल रही है, हम परमेश्वर के भवन में आने के लिए धन्यवादित है। और हम धन्यवादित है कि एक छिपने का स्थान है; आपने

कहा, "प्रभु का नाम सामर्थी खंबा है; धर्मी उसमें भागकर सुरक्षित हो जाता है।" हम इतने आनंदित है कि हम प्रभु का नाम जानते हैं, और उसमें आ गए हैं।

33 अब हम प्रार्थना करते हैं कि पिता आज रात्रि आप हमारे लिए वचन को खोलेंगे। होने पाए कि पवित्र आत्मा आये और वचन में समा जाए। इस नम्र छोटे दास के होठो का खतना कर, और वे जो सुनेंगे उनके ह्रदयो को, आपके बालक। और होने पाए कि पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचनों को ले और प्रत्येक ह्रदय में डाल दें जहां भी इसकी आवश्यकता हो। अब हमें आशीषित करें। आज रात्रि, अपने आत्मा में, हमें फिर से नया करें। इस सेवा से अपनी महिमा ले। खोए हुओं को बचा ले। बीमारों को चंगा करें। प्रभु, पिछड़े हुओं को घर वापस ले आए। और हम तेरी स्तुति करेंगे, क्योंकि हम यह तेरे नाम में मांगते हैं, तेरे प्रिय पुत्र यीशु के नाम में। आमीन।

34 अब 10 वां पद निर्गमन के 12 वें अध्याय का निकाले। हम "*लहू के द्वारा छुटकारे*" को पढ़ रहे थे, कैसे परमेश्वर ने प्रत्येक घर में मेमना बलिदान होने के लिए ठहराया, कैसे वहां पर कुछ भी नहीं छुटा था।

35 न्याय हो रहा था, और अब अंतिम न्याय होने वाला था। परमेश्वर अपने वचन को पूरा करने जा रहा था प्रत्येक अक्षर। और वे सारे न्याय सिद्ध चिन्ह थे, या सिद्ध प्रतीक न्याय के जो उन पर पड़ने वाला था।

36 और यदि आप ध्यान देंगे, इसके पहले कि न्याय हो। अब संभव है सेवकगण इस पर मुझ से सहमत ना हो, जो कि ठीक है। परंतु इसके पहले कि मिस्त्र का न्याय होना आरंभ हो, परमेश्वर ने इस्राएल को गोशेन में भेज दिया। वे गोशेन में थे, और उन पर कोई विपत्ति ना आयी। एक कलीसिया जो सिद्ध रूप में आगे बढ़ी, कष्टों में से होते हुए, देखिए। ठीक है।

37 तब अंतिम विपत्ति जो पृथ्वी पर पड़ी, याने मिस्त्र पर पड़ी, वह मृत्यु थी। आप सब जो बाईबल पढ़ने वाले हैं, आप अपने संडे स्कूल को पाठ को जानते हैं और आदि–आदि, संभव है उन्होंने इसे बहुत बार लिया हो। परंतु, मृत्यु ही अंतिम शत्रु था जिसने मिस्त्र पर हमला किया।

38 और अंतिम शत्रु जो कलीसिया पर आक्रमण करने वाला है, वह मृत्यु है, आत्मिक रीती से बोल रहा हूं। वे जो पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में—में, मसीह का अनुकरण नहीं करेंगे, वे आत्मिक रीति से सुख और मर जाएंगे वे कलीसियाये, अब आप इसे देख सकते हैं। बहुत सारी, बड़ी–बड़ी बेदारियां

और सुसमाचार सभाएं इसे राष्ट्र में हो गई, और तौभी, कलीसिया जो की राजनीति कलीसिया बोल रही है, वह हर क्षण खराब होती जा रही है। उसके सदस्य जैसे चाहते हैं वैसे ही जीवन व्यतीत कर रहे हैं जो चाहते हैं वह कर रहे हैं, तब भी, स्वयं को मसीह कहला रहे हैं, वे ठीक है।

39 *मसीही* होने का अर्थ, "मसीह के समान" होना। उस स्थान पर ना जाए जहां आप नहीं होना चाहते यदि मसीह आ गया कुछ ना कहें। जो आप नहीं कहना चाहते, जब मसीह आता है। कुछ ना करे जो आप नहीं चाहते जब मसीह आता है। कुछ ना सोचे जो आप नहीं चाहते जब मसीह आता है। अपना एक ही ध्येय रखें, आपका ह्रदय कलवरी पर केंद्रित है। आमीन। "ज्योति में चले, जैसे वह ज्योति में है, और हमारी एक दूसरे से संगति है, और यीशु मसीह का लहू परमेश्वर के पुत्र का, हमें सारे अधर्म से शुद्ध रखता है।" यह मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, और हम सब, हम सब को मिलाकर उसमें एक करता है।

40 अब, अंतिम, अंतिम चीज मृत्यु थी। और उस मृत्यु से पहले, जब वह आती है उस मृत्यु से एक छुटकारा था, उन सब के लिए जो उससे बचना चाहते थे।

41 और पहले नाश से पहले एक छुटकारा दिया गया, संसार के जल विनाश से पहले। परमेश्वर का एक धार्मिकता का प्रचारक था, और उसने लोगों को नाव में बुलाने के लिए एक सौ बीस वर्षों तक प्रचार किया। और जिन्होंने अपनी इच्छा से ना जाना चाहा, तो उनके लिए न्याय को छोड़ और कुछ ना बचा।

42 और, आज, जो मसीह की ज्योति में चलने से इंकार करता है, तो उसने अनुग्रह पर लात मार दी तो न्याय को छोड़ और कुछ नहीं बचा। बस केवल। दाहिनी और बाई दिशा है, आप केवल एक ओर जा सकते है। और आपका अपना चुनाव है।

43 अब, हम देखते हैं, इसके पहले कि वो—वो भयानक रात्रि आए, जिसमें इस्राएल को आज्ञा मिली थी। और उसे पहले ही ले लिया है, मेमने का बलिदान करना।

44 परमेश्वर अपनी कलीसिया को निर्गमन में ला रहा है, कि उसे मिस्त्र से बाहर निकाले, और प्रतिज्ञा के देश में ले जाए। मुझे यह अच्छा लगता है। वे वहां उसका अधिकार पाने जा रहे है। परमेश्वर ने उन्हें देश दिया, और अब

भी वह बड़ी महान इमारतों से और बाडे से घिरा हुआ था। और यरीहो के चारों ओर दीवार थी उसके चारों ओर रथ दौड़ सकता था। और थोड़ा इस पर सोचे, तो भी परमेश्वर ने कहा, "मैं यह तुम्हें दे दिया है। यह तुम्हारा है।" परंतु उन्हें शुद्ध करना था, उसे साफ करना था।

45 और आज परमेश्वर ने यही किया है। उसने आप में प्रत्येक को दिया है, जो इसे चाहता है, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। परंतु आपको भीतर जाकर अधिकार लेना है, बस यही है; भिन्नताओं से युद्ध करें, और दीवारों को गिरा दे, और उसमें आरंभ कर दिया और ले लिया।

46 आप कहते हैं, "पास्टर ने कहा, 'कि यह आज हमारे लिए नहीं है।'" केवल आगे बढ़े। "मां ने कहा, 'मैं तुझे घर से भगा दूंगी।'" आगे बढ़ते रहें। "पति ने कहा, 'मैं तुझे छोड़ दूंगा।'" आप आगे बढ़ते रहे। यही है। आगे बढ़ना और अधिकार लेना है! यही है।

47 दिव्य चंगाई आप में से प्रत्येक के लिए है। आप प्रत्येक जो यहां इस रात्रि कैंसर, हृदय रोग, जो भी हो, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी है। और यह आपके लिए है, परंतु आपको जाकर उसे अधिकार में लेना है।

48 अब आप कहते है, "भाई मुझे बहुत अच्छा अनुभव नहीं हो रहा है।" इसका इस बात से कुछ लेना–देना नहीं। प्रतिज्ञा आपकी है। परमेश्वर ने आपको दी है। केवल जाकर और फिलिस्तिनियो को मार डालो एक ओर से दूसरी ओर तक। और सारे हिती अमोरियो को बाहर कर दो उन्हें बस मार डालो। भीतर जाकर, इसे ले लो। परमेश्वर ने कहा, "यह तुम्हारा है जाकर। इसे ले लो।"

49 परंतु उसने नहीं कहा, "अब मैं भीतर जाऊंगा, सबको बाहर कर दूंगा, और तुम्हारे लिए अच्छे नगर बनाऊंगा, और तुम्हें वहां सरल मार्गो से स्थिर कर दूंगा।" वह इस प्रकार से नहीं करता।

50 वह यह आपको देता है, और आपको कुछ करना है। वह बहुत भला है कि उसने आपको भूमि दी है, कहा वह आपकी सहायता करेगा और आपके साथ होगा। जाओ, जाकर ले लो!

51 और यदि आप बीमार है, आज रात्रि, अपाहिज, अंधे, बहरे गूंगे, आप जो भी है; जाकर, ले लो। परमेश्वर ने कहा कि यह तुम्हारा था। यह आपका अधिकार है। परमेश्वर ने आपको दिया है।

52 उसने उनसे कहा कि वह उन्हें वह देश देगा। उनके आगे–आगे दूत भेजेगा, ताकि मार्ग में उनकी देखभाल करें, उन्हें उस स्थान पर लाए जहां यह था।

53 उन भेदियो को देखिए जब वे वहां पहुंचे। यहां वे दस वापस आए, कहा, "ओह, हम यह नहीं कर सकते। यह असंभव है। क्यों, हम लोग वैज्ञानिक है, और हमने इन चीजों को देखा है। वैज्ञानिक रीति से यह असंभव है। हम इसे नहीं कर सकते।"

54 परंतु वहां दो व्यक्ति थे, उनमें से एक का नाम यहोशू, और एक का नाम कालेब था। वैज्ञानिक भाग क्या कहता है वे वह नहीं देख रहे थे। परमेश्वर ने क्या कहा वे वह देख रहे थे। कहा, "हम इसे नहीं कर सकते।" और यह ठीक बात है। और वे कुछ प्रमाण लेकर आए कि यह एक अच्छा देश था।

55 मैं उस प्रमाण से बहुत आनंदित हूं, (क्या आप नहीं है?) कि हमारे ऊपर एक अच्छा देश है! [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] और हम अपने मार्ग पर है, आज रात्रि। हाल्लेलुय्या! ठीक है।

56 यहां वे थे अब आपने छुटकारे से थोड़ा पहले। परमेश्वर की इच्छा थी कि इस्राएली बालक, कि उनकी सुरक्षा अति आवश्यक है, कि इस मेमने को मारे। और लहू को चौखट पर लगाए दरवाजे के ऊपर, *इस* प्रकार से; और प्रत्येक अलंग पर।

57 और उन्हें भीतर जाना था और इस मेमने को खाना था, उसका सब कुछ; ध्यान दें, सारा मेमना, ना कि केवल उसका कुछ भाग। उसका सब कुछ खाना था।

58 कुछ लोग कहते हैं, "मैं केवल *यह* भाग लूंगा, और मैं—मैं केवल *इस* भाग का विश्वास करूंगा।" परंतु आपको सारा का सारा लेना है, उसका सब कुछ। कहते हैं, "ओह, मैं विश्वास करता हूं कि वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया, परंतु, 'उसके कोड़े खाने से,' मैं इसके विषय में नहीं जानता।" हम सब चाहते हैं। उसका सब अंश–अंश खाना है; सारा का सारा। इसमें से कुछ सख्त है, परंतु हमें खाना है, जो भी है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

59 अब 10वे पद पर ध्यान दें।

और तुम—तुम भोर तक... उसमें से कुछ भी ना रख छोड़ना;
और जो कुछ बचा... *जाए भोर तक... उसे आग में जला देना।*

60 और, अब, इसमें से कुछ भी नहीं बचाना है; हर एक चीज। अब, उसने कहा, "जब तुम इसे खाते हो, इसे कच्चा ना खाना या शोखेदार, परंतु तुम इसे अच्छी प्रकार से पका कर खाना।" और मुझे यह पसंद है।

61 लोग परमेश्वर के वचन को खाने का यत्न कर रहे हैं, वे इसे इस प्रकार लेते हैं जैसे कच्चा; चबाते जाते हैं, और इस पर थूकते जाते हैं, और सब कुछ। कहते है, "ओह, मैं इसे नहीं ले सकता। मैं इसका पक्ष नहीं ले सकता।" यह भली प्रकार से पका नहीं है। यही है।

62 उसने कहा, "इसे आग से पकाओं।" आग पवित्र आत्मा को दर्शाती है। आप पहले, ह्रदय में परमेश्वर को लो, और यह आपके लिए पकायेगा। यह ठीक बात है। इसे पका लो तैय्यार कर लो, तब यह स्वादिष्ट लगेगा।

63 अब, आप *इससे* अलग नहीं हो सकते, कहे, "ओह, मैं, नहीं जानता कि मेरे लिए है या नहीं। यह बीते दिनों के लिए हो सकता है।" कि पहले पवित्र आत्मा पा लो, और देखिए कि फिर दिव्य चंगाई का आपके लिए क्या अर्थ है।

64 देखिए ह्रदय से लगे धर्म का आपके लिए क्या अर्थ है, जब आपको यहां मेमने को पकाने के लिए पवित्र आत्मा मिलता है, जैसे ही यह आता है। आमीन। यह ठीक बात है। पहले मेमने को पकाओ। और पकाने के लिए आपके पास आग होनी ही चाहिए। इसे भूनना है। ओंह, प्रभु, तब ही यह अच्छा है। इसे भूनिए, यह थोड़ा जल जाता है सब कुछ बाहर...

65 अधिक समय नहीं हुआ, मैं यहां खड़ा हुआ था, एक भट्टी के पास, और मैंने देखा कि आग कितनी गर्म थी, यह और पकाया और पकाया और पकाया। और जैसे–जैसे यह गर्म होती गई, वो—वो धातू का धातू मल, सोने से सब ऊपर आ गया, और उन्होंने उसे निकाल दिया। और तब वे आग की कुठाली में और गर्म करेंगे। और तब जब यह अधिक उबलेगा, तब वे विभिन्न चीजें पाएंगे, सल्फर मिली हुई धातु और चीजें, इस से।

66 पहले मिट्टी ऊपर आती है, जैसे मिट्टी और कीचड़। फिर कच्ची धातु के समान, ओह, कोई अच्छी चीज नहीं; कुछ चांदी–चांदी सा, और दूसरी–दूसरी चीजें वे ऊपर आती है, और उसे तलछट को बाहर निकाल देते हैं। नीचे जाते हैं, सीधा नीचे, और अंतिम चीज सल्फर धातू थी जो उस से बाहर कर देते है। यह झूठा सोना है।

67 आप जानते हैं लोगों में बहुत सी चीजें होती हैं जो एक दूसरे को धोखा देती है, जब आप एक मसीही है, या उसके समान व्यवहार करते हैं, जो भी है। समझे? परन्तु आप पवित्र आत्मा को हर चीज को उबालकर बाहर करने दे, अपने में से धोखे वाला सोना भी बाहर—बाहर कर दें।

68 नकली वाला एक सोना है, बहुत से लोग पश्चिम में जाते हैं, और इसे कहीं–कहीं पाते हैं, और वे सोचते हैं, ओह, उन्हें सोने की खान मिल गई। यह सोने से भी अधिक चमकता है। परंतु यह नकली सोना है, इसका कोई मूल्य नहीं है।

69 और अब वे इसे पकाते है, और वे इसकी सारी तलछट बाहर निकाल देते है, और पकाते रहते हैं और पकाते रहते हैं, जब तक सोने को शुद्ध नहीं कर देते, तब शुद्ध सोने को छोड़ और कुछ नहीं पकाते केवल शत–प्रतिशत सोना।

70 और इसी प्रकार से परमेश्वर अपनी कलीसिया में करता है, उस पर पवित्र आत्मा उंडेलता है, और तब तक पकाता रहता है जब तक सारी सांसारिकता, और मत भेद और स्वार्थ और यह सब, जब तक सब कुछ उबाल कर हर व्यक्ति में से जो उसके समीप आएगा बाहर नहीं कर देता। आमीन।

71 अब, तब, आप इसे खा सकते है। यहां एक और सुंदर विचार, यहां पर—पर है 11 वे पद में।

> *और उसके खाने कि विधि यह है...* (इसे सुनिए)... *कि कमर बांधे, ...* (मुझे यह पसंद है)... *पांव में जूते पहिने हाथ में लाठी लिए हुए; उसे फुर्ती से खाना;* वह *तो यहोवा का पर्व होगा।*

72 मैं यह पसंद करता हूं। जबकि आप खा रहे है जाने के लिए, तैयार रहना। यही निकास है।

73 आइये हम इफिसियों को निकाले, इफिसियो का छठवां अध्याय, और यहां देखिए पौलुस क्या कहता है, कलीसिया को तैय्यार रहने के विषय में; इफिसियों का छठवां, अध्याय 14 वे पद से आरंभ करके छठवे अध्याय का।

> *इसलिए खड़े होकर, सत्य से अपनी कमर* कस *कर और... धार्मिकता की झिलम पहन कर;*

... और अपने पावो में मेल का सुसमाचार की तैय्यारी के जूते पहन कर;

और उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो, जिससे तुम... दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको।

और उद्धार का टोप और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है ले लो:

74 देखिए पौलूस मनुष्य को युद्ध मैदान के लिए तैय्यार कर रहा है, आगे बढ़ने के लिए।

75 परमेश्वर ने, आरंभ में, इस्राएल को छुड़ाते हुए कहा, "अब आपको बढ़ने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। जब तुम लहू के नीचे आओ, अपने जूते पहन लो। अपनी कमरे में बांध लो। अपनी लाठी अपने हाथ में ले लो और पुकार के लिए तैय्यार हो जाओ।" मुझे यह पसंद है।

76 अब एक मनुष्य, जो मसीह में आता है, वह अपने सुसमाचार के जूते पहनता है, कि सुसमाचार प्रचार करें; उद्धार का टोप पहन कर; धार्मिकता की झिलम पहन कर; अपनी कमर कस कर। वहां एक...

77 अवसर पुराने सिपाहियों में, जब वे सब लड़ाई के वस्त्र धारण करते थे, उनका एक बड़ा पटुका होता था। वे इसे बांधते थे उनकी कमरों को थामे रहता था, यह ढाले, शत्रू के भालों को दूर रखती थी। हमारे लिए यह कितना वास्तविक पाठ है। और जब वो—वो कमर कमजोर पड़ने लगे, ढाल गिरने लगे, वे ढाल, तब वे अपने पटुके कस लेते थे, उन्हें फिर से कस लेते थे।

78 आज कितना ही सिद्ध चित्र है, जब आप स्वयं को ढीला अनुभव करने लगे, या शैतान कहता है, "इसका कोई लाभ नहीं।" नीचे की ओर से थोड़ा सा अपना पटुका कस ले; तलवार को थोड़ा कसे हुए हाथों से खेचे, और आगे बढ़े। इस प्रकार से, बढ़ने के लिए तैय्यार रहें।

79 प्रत्येक व्यक्ति, उस रात्रि उस, लहू के तले चल रहा है, वहीं रुके रहने की आज्ञा थी, और तब तक बाहर ना जाए जब तक आज्ञा ना आये कि आगे बढ़ो।

80 और प्रत्येक मनुष्य जो परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है, मसीह में आता है, उसके पास अनंत जीवन है; अपनी ढाल, अपनी झिलम पहने

हुए, तैय्यार है, और जब तक आगे बढ़ने की आज्ञा नहीं मिलती रुका रहता है।

81 ओह, यह क्या ही शानदार है? क्या आप आज यह सब पाकर, आज रात्रि काम में नहीं लगना चाहते, आप सिपाहियों? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

82 आराधनालय में एक गाना गवाने वाला होता था, हमारे गाने का विषय होता था:

युद्ध जारी है, ओह मसीही सिपाहियों,
कड़े रूप से आमने सामने तैनात रहो,
झलकते हुए शस्त्रों के साथ, रंगों के प्रवाह,
आज गलत और सही आमने–सामने है;
युद्ध जारी है, परंतु थके हुए नहीं,
ताकतवर हो जाओ और उसकी उसकी सामर्थ को
थाम लो;
यदि परमेश्वर हमारी ओर है, उसका झंडा हमारे ऊपर
है,
तो अंत में हम जयवन्तो का गीत गाएंगे।

83 उसमें से बहुत सारे संत कब्र में चले गए। परंतु इन्हीं किन्ही दिनों में सामने नये संसार में, जब वे प्रतिज्ञा के देश में आते हैं, सलीब का झंडा हमारे ऊपर होगा, और हम जयवन्तो के गीत को गाएंगे। जब उस रात्रि हम विवाह भोज में बैठते हैं, उस मेज के चारों ओर, वह महान मेज, हो सकता है सैकड़ों हजारों मील लंबी, लहू से धुले संत वहां चारों ओर बैठे है। मैं उस मेज के पास जाना चाहता हूं और उनमें से प्रत्येक से हाथ मिलाना चाहता हूं, आमीन, बस चिल्ला रहे है। क्या आप मुझे चिल्लाते हुए सुनना चाहते हैं? तो जब तक मैं वहां ना पहुंचू; प्रतीक्षा करें। मुझे देखें, मैं अभी इतना बड़ा नहीं हुआ हूं, इसके लिए।

परंतु, ध्यान दें, अब आगे बढ़ रहा हूं। तैय्यार रहें। हम जा रहे हैं।

84 यहां एक दु:खी दृश्य है, इसके पहले कि हम अपने नियमित पाठ पर आए, यह यहां 38वे पद में पाया गया है। सुनिए।

और एक मिली जुली भीड़ उन लोगों के साथ निकल गई...

85 यहीं पर इस्राएल ने गलती की। एक अलौकिक घटित हो गया। बिना मत परिवर्तित लोग साथ–साथ चले, उस अलौकिक के कारण, अंत में उन्हें कठनाई में डाला। और नीचे, हम ध्यान देंगे लगभग 42, वे और 43 वे पद में। प्रभु मूसा से बातें कर रहा है, कहा, कि, "कोई नहीं केवल वही जो बलिदान हुए थे... बलिदान खा सकते थे," बल्कि, "केवल वही जिनका खतना हुआ था। कोई परदेसी, बाहर ना इसे ना खाए केवल वे जो खतना वाले हैं।"

86 प्रिय मित्रों, आज के दिन हमारे लिए कितनी लज्जा की बात है; कि जब, कलीसिया में, प्रत्येक जो कलीसिया से संबंधित है प्रभु भोज लेता है। और यह गलत है। केवल वे जो छुड़ाए हुए हैं, केवल वे जो योग्य हैं।

87 यशायाह ने बोला और कहा कि, "प्रभु की मेजे उल्टियों से भरी हुई होगी।" कहा, "मैं किसको शिक्षा दूंगा? वे जिनका दूध छुड़ाया गया है।" कहा, "आज्ञा पर आज्ञा; नियम पर नियम; थोड़ा यहां और थोड़ा वहां।" "और जो अच्छा है उसे कस कर पकड़े रहो।" परमेश्वर बोल रहा है, जिन दिनों में हम रह रहे हैं जानता हूं, कि कलीसिया इतनी राजनीतिज्ञ हो जाएगी, कि वे अंदर आने वाले, लोगों को, कुछ भी करने देंगे, जब तक उनके नाम कलीसिया की पुस्तक में है, वे सदस्य थे, उन्होंने प्रभु भोज लिया।

88 और बाईबल ने कहा, "वह जो खाता और इसे पीता है, वह अयोग्य और प्रभु की देह का और लहू का अपराधी है।"

संत यहुन्ना, 13 वां अध्याय, यीशु बोल रहा है।

89 दूसरा कुरन्थियो 11वां अध्याय, पौलूस ने वर्षों पश्चात कहा, कि, "वह जो इसे अयोग्यता में इसे खाता और पीता है, वह प्रभु की देह और लहू का अपराधी होगा। इसलिए मनुष्य स्वयं को जांच लें," उसने कहा, "इसके पहले कि वह इसे ले।" मैं वचन बता रहा हूं। यह ठीक बात है। "वह जो इसे खाता और पीता, अयोग्यता में होते हुए इसे खाता और पीता है, प्रभु की देह को नहीं पहचानता, स्वयं को दोषी ठहराते हैं। इसी कारण तुम्हारे बीच में बहुत से दोगी और निर्बल है, बहुत से सो गए।" निश्चित हो जाए कि आप प्रभु के साथ ठीक है।

90 यह यहां छाया में है, कि, और कोई नहीं केवल खतना वाले! इस से कोई मतलब नहीं कि, वह कितना ईमानदार है, उसने यहूदी कलीसिया की

कितनी सहायता की; उसे धर्मानन्तिररित होना ही था, वास्तविक खतने वाला विश्वासी इसके पहले वह प्रभु भोज ले सके, या पर्व को खाएं। ओह, आज हम रेखा से कितनी दूर हो गए है!

91 अब हम जल्दी–जल्दी, तब। आज रात्रि परमेश्वर उन्हें बाहर लेकर आया। अब हम 14 वे अध्याय के 13 वे पद को निकाल रहे है।

92 परमेश्वर ने उन्हें अग्नी स्तम्भ दिया कि उनके आगे–आगे चले। मैं सोचता हूं कि आज रात्रि उनके पास इसका चित्र है। और मैं श्रद्धा भाव से यह कहता हूं। अपने ईमानदारी के विचार से, जबकि हम आज रात्रि इस झुंड में है, मैं विश्वास करता हूं यह हमारे साथ है। वही अग्नी स्तम्भ जिसने इस्राएल के बालकों का मार्गदर्शन किया, हमारे आगे–आगे चल रहा है, उन्ही चिन्हों और आश्चर्यकर्मो को कर रहा है। और यहां कोई भी शिक्षक, या बाईबल का ज्ञाता, यह जानता है कि वह दूत जो इस्राएल के साथ रहा और प्रतिज्ञा के देश तक उनका मार्गदर्शक रहा, वह वाचा का दूत था, जो यीशु मसीह था।

93 और, आज, "यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है" इस झुंड के आगे–आगे है जिसे आप लोग शोर पवित्र शोर मचाने वाला कहना चाहते है, यदि आप चाहते है। ठीक है। बढ़ रहे है, जय से जय पर अगुवाई कर रहा है! उसकी महिमा हो!

94 उन दिनों में उन देशों में, वे लोग छोड़े हुए और घृणित और ठुकराए हुए, और राष्ट्रों के द्वारा छोड़े गए, और सब कुछ कहलाये।

95 ऐसे ही आज, सच्चे विश्वासी के साथ है। आप, अपनी कलीसियाओं में जानते है, जब आप मसीह का पक्ष लेते और सत्य के लिए बोलते है, तो सारी कलीसिया कहती है, "इसे देखो! वह अपनी समझ खो बैठा है। वह पागल हो गया है।" समझे?

96 उस पर ध्यान ना दे। पीछे–पीछे चलते रहे। अब आप हथियारों से सुसज्जित है। और लहू आपके आगे–आगे है; पवित्र आत्मा आपका मार्गदर्शन कर रहा है। बस बढ़ते जाएं। कौन क्या कहता है इस पर ध्यान ना दें। सीधे–सीधे कलवरी पर ध्यान दें, और आगे बढ़ते रहें। एक सुंदर प्रति छाया!

97 अब, वे निकल कर बाहर आ गए है, और... अब ध्यान दें, लहू का छुटकारा उन्हें मिस्त्र से बाहर निकाल कर लाया, अब उनके पास कुछ

होना चाहिए था कि उन्हें उस देश में ले जाए। अब वे आरंभ करने वाले हैं। वे बाहर आ गए, खतना किए हुए, लहू के तले आए, और बढ़ रहे हैं। अब वे किसी चीज पर आ गए हैं। वे वहां साथ–साथ बढ़ रहे हैं, यह जानते हुए कि वे मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर गए है; जानते हुए कि उनके पास अनंत जीवन है।

98 परंतु यहां वे लोग आ रहे है, और कठिनाइयां आने लगी। यहां उनके पीछे फिरौन की सेना आ रही है, कि उन्हें ले ले। परेशानी आ गई।

99 सुनिए! "परमेश्वर हमारा छिपने का स्थान और हमारी सामर्थ, और संकट के समय हमारी उपस्थित सहायता।" ओह, मैं आशा करता हूं आप इसे देखते है। देखा? यह यहां पर है। जानते है... परंतु, सुनिए, अब 13वा पद।

और मूसा ने लोगों से कहा, तुम डरो मत,...

100 मुझे यह अच्छा लगता है। यीशु जब मृतको में से जी उठा, उसके वचन निरंतर थे, "डरो मत।"

101 आज कलीसिया के साथ यही परेशानी है, वे डर से मरने पर है कि आप असफल होने वाले है। जब आप मसीह में हैं तो आप कैसे असफल हो सकते है? आप असफल नहीं हो सकते। आपके पास अनंत जीवन है। अधलोक के सारे प्रेत आपको नहीं हिला सकते। आपके पास अनंत जीवन है। यीशु ने ऐसा कहा। असफलता से भयभीत ना हो।

102 आप कहते है, "भाई, मैं डरता हूं कि मैं धर्मांध हो जाऊंगा।" बजाए शांत बैठने के और कुछ ना करने से थोड़ा धर्मांध हो जाऊं। निश्चय ही मैं चाहूंगा। एक मनुष्य कुछ करने जा रहा है...

103 ब्लाड्र्स के विषय में बताया गया उसके पास एक व्यक्ति नौकरी के लिए आया, और उसने कहा, "यहां अपने हस्ताक्षर करो।" उसने हस्ताक्षर करने के लिए उसकी पेंसिल उठाई। उसने कहा, "इस पर की तुम्हारी रबड़ कहां है? "

कहां, "मैं नहीं जानता... कोई गलती करता है।"

उसने कहा, "मैं तुम्हारा उपयोग नहीं कर सकता; तुम कुछ भी नहीं करोगे।"

104 यह ठीक बात है। तुम कोई गलती नहीं करते हो, तुम—आप कुछ नहीं कर रहे है। भाई हम आगे बढ़े। और बढ़ते रहे। मैं वहां लोग फेलो को पसंद करता हूं:

मुझे दु:ख की घड़ियों में, ना बताओ,
कि जीवन केवल एक खाली स्वप्न है!
और सोने वालों के प्राण मृत है,
चीजें वैसी नहीं है जैसी दिखाई पड़ती है।

कहा, हां, जीवन वास्तविक है! और जीवन उत्साह है!
और कब्र उसका उद्देश्य नहीं है;
तू मिट्टी से है, मिट्टी में लौट जाएगा,
यह प्राण के लिए नहीं कहा गया।

हम उठे और कर रहे है,
हृदय से किसी भी संग्राम को;
ना की गुंगे जानवरों के समान, हाकाये जाते हैं!
बहादुर बनो!

105 लोगों की प्रतीक्षा ना करें कि वे आपको मसीह तक ले जाने में प्रेरित करें। एक पुरुष या एक महिला के समान खड़े हो, और उसे स्वीकार करें और जय करते हुए आगे बढ़े। आमीन। परमेश्वर यही चाहता है, मजबूत, और तैय्यार सिपाहियों। संभव है आपका वजन, एक सौ पांच पौंड भी ना हो, परंतु भाइयों आप फिर भी सुस्वस्थ है, और सामर्थ से भरे हुए, यदि आप परमेश्वर को अपनी तरफ से करने दे। मैंने सैकड़ों पौंड के मनुष्य देखे हैं, परंतु उनमें एक भी आउंस पुरुष नहीं है। यह ठीक बात है। ठीक है। ध्यान दें।

... मूसा ने लोगों से कहा, डरो... मत शांत रहो और यहोवा के छुटकारे को देखो, ...

106 यह अच्छा है। केवल आगे बढ़ते रहो। किसी भी बात से ना डरो। यदि आपने मसीहा को अपने बचाने वाले के रूप में स्वीकार किया है, बढ़ते रहो।

107 "भाई ब्रन्हम, मैं पवित्र आत्मा का बपतिस्मा चाहता हूं।" केवल आगे बढ़ते रहें। डरे नहीं।

108 आप कहते हैं, "अब मैं बीमार हूं, भाई ब्रन्हम। मैं अधिक आगे नहीं बढ़ सकता।" चिंता ना करें। केवल आगे बढ़ते जाएं; हमारे यहोवा के छुटकारे को देखो! इसे स्वीकार करो। केवल आगे बढ़ो।

109 "यह कैसे होने जा रहा है? डॉक्टर ने मुझे छोड़ दिया।" उसने जितना अच्छा हो सकता था किया, परंतु परमेश्वर ने अपना सबसे अच्छा नहीं किया है। यह ठीक बात है।

110 एक क्षण के लिए, अब उसे सुने। ठीक है।

... यहोवा जो आज तुम्हें दिखाएगा: क्योंकि मिस्त्री पारखी, सत्य... कष्ट देने वाले)...

111 कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, यदि मैं बस सिगरेट पीना छोड़ दूं! यदि मैं मद्यपान छोड़ दूं! यदि मैं अपनी चोरी छोड़ दूं! यदि मैं अपना *यह, वह* और *इत्यादि* करना छोड़ दूं।" परेशान ना हो। केवल बढ़ते जाए। बाकी की चिन्ता परमेश्वर कर लेगा।

112 "यदि मैं जानता होता कि मैं यह छोड़ सकता, भाई ब्रन्हम, मैं अभी मसीह को ग्रहण कर लेता।" आप चिंता ना करें। आगे बढ़े। बस बढ़ते रहे। आप प्रभु के उद्धार को देखेंगे!

... क्योंकि जिन मिस्त्रियो को तुम आज देखते हो उनको फिर कभी ना देखोगे संभव है। (आमीन। कुछ क्षण पश्चात यह तय हो गया।)

यहोवा आप तुम्हारे लिए लड़ेगा,... इसलिए तुम चुपचाप रहो।

तब यहोवा ने मूसा से कहा, तू क्यों मेरी दुहाई दे रहा है? इस्त्राईल को आज्ञा दें कि यहां से कुच करें: (मुझे यह पसंद है।)

113 यह कहने का यत्न ना करें, "भाई, मैं दस वर्षों से कलीसिया का सदस्य हूं, भाई ब्रन्हम। मैं एक अच्छा ईमानदार सदस्य रहा हूं।" अच्छी बात है; मैं इसकी सराहना करता हूं। परंतु हम आगे बढ़े, आज रात्रि। परमेश्वर आगे बढ़ रहा है। आज लोग, यहां वे वापस जाते है, वे कहते है, "अच्छा अब... "

114 विज्ञान एक सौ पच्चास वर्ष पहले फ्रांस में विज्ञान था, जिसने कहा, "यदि मनुष्य कभी भयानक गति तीस मील प्रति घंटे से चले, तो गुरुत्वाकर्षण उसे पृथ्वी पर से उठा देगा, और वह चला गया।" ओह!

मील प्रति घंटा? वह अब लगभग सोलह सौ मील प्रति घंटे पर जा रहा है। अपने कभी नहीं सुना होगा कि विज्ञान में कभी फिर उस मनुष्य का उल्लेख किया होगा। वह अपने समय में ठीक था, परन्तु वे दूसरे दिनों में जी रहे है। यह ठीक बात है।

115 परन्तु, हम प्रचारक लोग, ओह, नहीं। "दिव्य चंगाई? अब मैं देखूं कि संत मूडी, फिने, नोक्स, कोलविन इन में से कुछ ने इस विषय में क्या—क्या कहा।" वे अपने समय में ठीक थे। परन्तु हम आगे बढ़ रहे हैं, आगे जा रहे है। हमारे पास कुछ और है।

116 यीशु ने कहा, वहां बीज बोने वाले के दृष्टांत में, जब बीज बोने वाला गया और बीज बोया। और कुछ... शत्रु ने आकर कुछ जंगली दाने गेहूं के बीच में बो दिए। उसने कहा, "उन्हें एक साथ बढ़ने दो।"

117 आप सदा उंगली उठाते हैं कि संसार कितना खराब होता जा रहा है, परंतु आप यह देखने में असमर्थ है कि कलीसिया उसी समय में कितनी शक्तिशाली होती चली जा रही है। वह खड़ी हो रही है, और मैदान में खड़ी हो रही है। ओह, वह जो कि छोटा झुंड है, परंतु, भाई परमेश्वर आपके उसके साथ है। और वह विजय प्राप्त करने जा रही है वैसे ही निश्चित रूप से जैसे मसीह मृतको में से जी उठा। आमीन। परमेश्वर की कलीसिया कभी भी असफल नहीं होंगी। "अधोलोक के फाटक उस पर कभी भी प्रबल ना होंगे।" दिखाया कि वे इसके विरोध में होंगे, परंतु वे प्रबल नहीं हो सकते। कलीसिया मसीह के लहू में से होते हुए, जय प्राप्त करते हुए, जय के निशाने पर जा रही है। मैं इस बात के विषय में आशावान हूं कि परमेश्वर की एक बेदाग, बेझुर्री वाली कलीसिया है, या बिना दोष के। आमीन। मैं इस विषय में इतना आनंदित हूं।

118 अब, "यदि मैं कलीसिया में हूं।" आमीन। "भाई ब्रन्हम, आप उसमें कैसे आ सकते हैं, शब्दों से? " "आप उसमें कैसे आ सकते हैं? " जन्म लेने के द्वारा; उस में जन्म ले!

119 मैं ब्रन्हम परिवार में हूं, इस आने वाले अप्रैल के छठवे दिन को मैं पैतालीस वर्ष का हो जाऊंगा, और उन्होंने मुझसे इस परिवार सदस्य बनने को कभी नही कहा। मैं एक ब्रन्हम जन्मा हूं। मैं सदा एक ब्रन्हम रहूंगा।

120 यीशु मसीह में मैं मसीही जन्मा, मैं मसीही होऊंगा। क्योंकि चुनाव के द्वारा परमेश्वर ने, इसे इसी प्रकार ठहराया। उसने अपने प्रिय पुत्र के द्वारा

अनुग्रह से बुलाया। हमने उसे स्वीकार किया और अनंत जीवन पाया। "एक हाथ मिलाने के द्वारा"? "एक सदस्यता के द्वारा"? "एक पत्र के द्वारा"? "एक ही आत्मा के द्वारा हम सब ने एक ही देह यीशु मसीह में," बपतिस्मा लिया और वहां उस राज्य के नागरिक बन गए।

121 आज जब मैं प्रार्थना कर रहा था, तो मैं सोच रहा था, कि आज यह कैसा दिन है कि हमें इसके लिए उत्तर देना है। मैं उस पीढ़ी के लिए जो मुझसे पहले थी उसके लिए उत्तर नहीं देना, या वह पीढ़ी जो मेरे बाद होगी। परंतु, न्याय में, मुझे इस पीढ़ी के साथ खड़ा होना है। और मैंने कहा, "इधर एक स्त्री का चित्र विज्ञापन में देखिए बीयर पीते हुए कुछ, और कहा कि 'वह बिना श्वास' के थी या ऐसे ही कुछ।" मैंने कहा, "हाँ, और जीवन रहित भी है।" ठीक है। आप उसी स्थिति में है। मैंने कहा, "यह कितनी लज्जाजनक है!"

122 "सारे प्रचारक के साथ" मैंने कहा, "कभी–कभी ऐसा प्रतीत होता है," मैंने अपनी पत्नी को बताया, मैंने कहा, "कभी ऐसा लगता है इससे कोई भलाई नहीं होती। परंतु जो भी है मुझे चेतावनी की आवाज होना है लोग इसके बारे में क्या करते हैं, इसकी परवाह किए बिना। मुझे सुसमाचार प्रचार करना है, और पुनरुत्थान की गवाही देनी है और यीशु मसीह की सामर्थ।" उन्हें इसे छोड़ने दो, और अपनी पीठ घुमाने दो; न्याय में परमेश्वर इसके लिए उनका न्याय करेगा। मैं इसे प्रचार करने के लिए उत्तरदाई हूं, और दूसरे सेवक गण भी, जो सुसमाचार प्रचार करते हैं।

123 अब, मैं इसे प्रेम करता हूं। ध्यान दें, "अब आगे बढ़े," और आप परमेश्वर की महिमा देखेंगे। परंतु, सुनिए, अब 16 वां पद। हम इसे पढ़ते हैं।

परंतु... लाठी उठा,...

124 "वह लाठी," वह न्याय की लाठी थी। अब, यह मूसा की लाठी नहीं थी। यह परमेश्वर की लाठी थी। यदि आप ध्यान देंगे, मूसा, उसने वह लाठी ली, उसने उसे *इस* प्रकार पकड़ा, कुटकियां आ गई। उसने इसे पानी के ऊपर किया, वह लहू बन गया। वह परमेश्वर के न्याय की लाठी थी। और वही लाठी... समझे! और उसी लाठी से उसने चट्टान को मारा। और चट्टान की एक और दरार आ गई, और चट्टान में से पानी निकला।

125 अब वह चट्टान मसीहा था, और वह परमेश्वर का न्याय था। "जिस दिन तुम उसे खाओगे, उसी दिन तुम मर जाओगे।" मसीह को कलवरी

पर मारा, और उस कड़वाहट का भुगतान किया, दु:ख भरी मृत्यु। कोई मनुष्य नहीं, इसे कभी भी इसका व्याख्यान नहीं कर सका या कभी कर सकेगा। वहां परमेश्वर ने सारा दिव्य न्याय उस पर डाल दिया, और उसके एक ओर मारा, जब उसकी एक ओर से पानी और लहू और आत्मा हमारे छुटकारे के लिए निकला।

126 कैसे लोगों ने उसके चित्र को रंगा, कभी–कभी, उसके चारों ओर कपड़ा लपेटा हुआ, या कुछ और क्रूस पर। यह ऐसा नहीं है। उन्होंने उस मनुष्य को त्याग दिया, हर बुराई अशिष्ट बातें जो भी वे कर सकते थे; परंतु उसे होना था। वह वहां पर, उच्चतम और संसार में सबसे नीचा, जो कभी था या होगा। और तब क्रूस पर, नंगा किया गया; घायल किया गया, पीटा गया, लहूलुहान; उपहास उड़ाने वालों का मुंह भरा थूक उसके मुख पर लटक रहा था; उपवास उड़ाने का ताज सिहांसनो का उसके सिर पर। परंतु वहीं जहां उसने मृत्यु को, नरक को, पाप को, बीमारी को और कब्र को जीता, और हम सब का मूल्य चुकाया।

127 कभी–कभी यह कहा, "वही जहां उसने मृत्यु के डंक को निकाल दिया।" यही जहां पौलूस ने कहा, "ओह मृत्यु, तेरा डंक कहां है? "

128 मुझे यहां बताया गया कि बहुत सारे कीड़े, मधुमक्खी और चीजें, इनके पास डंक होता है, और वे इसके साथ जहरीले होते है। परंतु वे एक बार डंक मारते है, और वे अपना डंक खो देते हैं।

129 एक समय मृत्यु में भी उसका डंक था; परंतु कलवरी पर, मसीह ने, वह डंक मृत्यु में से निकाल दिया। हाल्लेलुय्या! ओह, जब मैं इसके विषय में सोचता हूं! कि वहां उसने मृत्यु में से डंक निकाल दिया, मेरे, और आपके लिए मृत्यु का सारा डंक।

130 पौलूस ने कहा, जब वे उसका सिर रोम की कैद में काटने जा रहे थे, उसने कहा, "मृत्यु, तेरा डंक कहाँ है? " वापस कलवरी की ओर संकेत किया, और वहीं पर मृत्यु का डंक निकाला गया। "कब्र, तेरी जय कहां है? " उसने कहा, "परंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो जो हमें हमारे प्रभु यीशु मसीह में होकर हमें जय देता है।" आमीन। ठीक है।

> ... *लाठी* (न्याय) *और अपना हाथ समुद्र के* ऊपर बढ़ा... *और वह—वह दो भाग हो जाएंगे: तब इस्राएल समुद्र के बीच होकर स्थल ही स्थल* पार *चले जाएंगे और सुन।*

मैं आप मिस्त्रियो के मन *को कठोर करता हूं, और वे उनका पीछा करके: समुद्र में घुस पडेगे, तब फिरौन और उसकी सारी सेना, और रथो और सवारों के द्वारा मेरी महिमा होगी।*

और तब मिस्त्री जान लेंगे कि मैं यहोवा हूं, जब फिरौन के द्वारा मेरी महिमा होंगी, और उसके रथो और सवारों के द्वारा मेरी महिमा होंगी।

तब परमेश्वर का दूत,...

131 सुनिए! कार्य में लगे रहने को और कस दिया। "और परमेश्वर के दूत ने जो इस्राएल के आगे गया," वह अब भी यहां पर है।

... परमेश्वर का दूत, जो इस्राएल सेना के आगे–आगे चला करता था जाकर उनके पीछे *हो गया; और बादल का खम्भा उनके आगे से हटकर उनके पीछे जा ठहरा:* (याने, *यहां* से जाकर और *वहां* खड़ा हो गया; और संकट के समय बीच में चला गया।)

132 जब कठनाई आपके सामने आती है, हर ओर से बीमारी परेशानी, परमेश्वर का दूत आ जाता है, और आपके और बीमारी के बीच आ जाता है, और वहां मार्ग में खड़ा हो जाता है, परमेश्वर के वचन को लेने में चुनौती देता हूं।

133 परमेश्वर ने इस्राएल को प्रतिज्ञा दी, कि वे उस देश में जाएगे। संभवत: वहां लाखों मनुष्य उनका पीछा करते हुए, और उन्हें दौड़ाया कि उन्हें काट डाले, जैसे कि पशुओं का झुण्ड हो। परंतु प्रभु का दूत, जो वहां उन्हें प्रतिज्ञा के देश में ले जाने के लिए था, पड़ाव में से उठा और पीछे जाकर खतरे और उनके बीच में खड़ा हो गया।

134 हाल्लेलुय्या! वह अब भी यही करता है। वह मार्ग निकालेगा। ओह, मैं बस उससे इसके लिए प्रेम करता हूं, क्या आप नहीं करते? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वह यहां बैठे इस समय हर बीमार व्यक्ति के लिए मार्ग निकालेंगा। उसने पहले ही मार्ग बना दिया है, और वह आपके और दु:ख के बीच में खड़ा है।

135 और मैं जानता हूं कि वह अब यहां पर है। यदि आप चाहें तो मुझे हठ धर्मी कह सकते हैं; जो तुम कहते हो उसके लिए मैं उत्तरदाई नहीं हूं।

परंतु जो मैं कहता हूँ मैं परमेश्वर के सामने उत्तरदाई हूँ। परंतु वह जिसने इस्राएल के बालकों की अगुवाई की, यदि मैंने इसका सही अनुमान लगाया है, उस ज्योति को जो आज रात्रि आप देखते हैं, या जो चित्र में आपने देखा। मैं समझता हूं आज रात्रि उन्होंने उसे बाहर टांग दिया। वही परमेश्वर का स्वर्ग दूत आज रात्रि इस समय इस भवन में है, वही करने के लिए जो यीशु ने उस दिन में किया। वह यह पुष्टी के लिए है। कि उसने तब क्या किया था, वह अब है, और सदा एक सा रहेगा। परमेश्वर का स्वर्ग दूत, यहां हमारे और बीमारी के मध्य में खड़ा है, हमारे और मृत्यु के मध्य में खड़ा है।

136 कोई आश्चर्य नहीं दाऊद ने कहा, "हाँ यदपि मैं मृत्यु की छाया की घाटी में से होकर निकलूं, तो भी मुझे कोई भय ना होगा: तू मेरे साथ है।" निश्चय ही।

137 वहां परमेश्वर का स्वर्ग दूत खड़ा हुआ है, इस्राएल के शिविर के आगे चला गया, और हटा दिया, और जा उनके और शत्रू के बीच में खड़ा हो गया।

138 और आज रात्रि परमेश्वर का स्वर्गदूत यहां प्रत्येक व्यक्ति, और शत्रु के बीच में खड़ा है। मैं जानता हूं कि मैं क्या बोल रहा हूं। मैं जानता हूं, जबकि मैं यहां प्रचार मंच पर खड़ा हुआ हूं, आज रात्रि लोगों के इस छोटे झुंड के सामने, मैं जानता हूं कि परमेश्वर धनीभूत हो गया, महिमा से नीचे आ रहा है, और अब इस भवन में खड़ा है। यदि आप परमेश्वर के वचन पर चलने का साहस करें, देखिए यदि वह आपके सामने ना चले। ध्यान दें।

139 और मिस्त्रियो और शिविर के बीच में आ गया। वह आप और आपकी बीमारी के मध्य में आ रहा है। वह आपके और आपके पापो के मध्य में खड़ा है, ठीक इसी समय। क्यों? हम कलीसिया की निकासी पर है। मिस्त्र सदा संसार कहलाया है, और जब इस्त्राईल उसमें से निकल आया... स्मरण रहे, वे वहां कलीसिया के सदस्य थे। परंतु लहू और छुटकारे होने के पश्चात, वे परमेश्वर के खतना किए हुए हो गए।

140 और आज खतना पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है। "सब," स्तफनूस ने कहा, "तुम सब ह्रदय और कानों से खतनारहित, तुम क्यों सदा पवित्र आत्मा का सामना करते हो? जैसे तुम्हारे बाप दादा ने किया तुम भी वैसा करते हो।" पवित्र आत्मा ह्रदय में खतना करता है, संसार की चीजों को

काट रहा है। यह पुराने ढंग की पवित्रताई कलीसिया ने इसे जीया, उसी प्रकार व्यवहार किया, उसी प्रकार जीवन व्यतीत किया। परंतु, आज, यह बाकी संसार के समान है। यह लज्जाजनक है। हमने समझौता कर लिया।

141 बूढ़े भाई स्पुरजन कहा करते थे, एक पुराना मैथोडिस्ट प्रचारक, मेरा मित्र, एक गाना गाया करता था।

हमने अवरोधो को गिरा दिया, हमने अवरोधो को गिरा दिया,
हमने पाप से समझौता कर लिया।
हमने अवरोधों को गिरा दिया, भेड़ बाहर निकल गई।
बकरियां भीतर कैसे आ गई?

142 क्योंकि आपने अवरोधों को गिरा दिया! यही है। आपने मसीह जीवन के स्तर को गिरा दिया, क्योंकि धर्मी में से प्रचारक निकल कर आ रहे है और सत्य से समझौता करने को बाहर भेज दिया। परंतु पवित्र आत्मा वहां उन्हें दोषी ठहराने को सदा से है, और आज रात्रि वह विश्वासी और संसार की चीजों के मध्य में खड़ा हुआ है। आमीन।

और वह मिस्त्रियो की सेना और इस्राएली सेना के बीच में आ गया; और बादल और अंधकार हुआ, तौभी उससे रात को उन्हें प्रकाश मिलता रहा: और वे रात भर एक दूसरे के पास ना आए।

143 देखिए, वही चीज विश्वासियो के *इस* झुंड को दी गई है, उजियाला, उन्हें अंधा कर रहा था।

144 ठीक है, अपना झटका सहने वाले बख्तर को पहन ले। यह यहां आता है। देखिए, प्रत्येक व्यक्ति जो उजियाले को अस्वीकार करता है, अंधा हो जाता है और अधंकार में चलता है क्योंकि तुम ज्योति को ग्रहण नहीं कर सकते। आमीन। परमेश्वर सेवको को सुसमाचार प्रचार करने को भेजता है। वह मनुष्यों के मध्य में चिन्हों और आश्चर्यकर्मो को भेजता है ताकि इसे सत्य प्रमाणित करें; और मनुष्य इसे अस्वीकार करते है, अब आपके लिए अधंकार को छोड़ और कुछ नहीं बचा। मेरे भाई, जब तक ज्योति है ज्योति में चलते चलो। ज्योति को स्वीकार कर लो। मसीह ज्योति है। वह आपके लिए ज्योति लेकर आया। परंतु जिन्होंने ज्योति को अस्वीकार किया अंधकार को स्वीकार किया। और आज रात्रि प्रत्येक पुरुष और महिला, जो ज्योति को स्वीकार करता है, अंधकार में चलता है, नहीं जानता है कि

कहां जा रहा है। वह बहुत सुंदर, लोगो में प्रसिद्ध, लोगों के साथ भटक रहा है, परंतु आश्चर्य है कि वह परमेश्वर की उपस्थिति में कैसे खड़ा होता है।

145 इस पर ध्यान दें! यहां कितनी शानदार चीज है। वह एक के लिए ज्योति है, और दूसरे के लिए अंधकार है। वह इस्राएली, तब मूसा के प्रार्थना करने के पश्चात वे शांति से लेट गए। अब ध्यान दें।

> *और मूसा ने अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ाया; और यहोवा ने रातभर प्रचंड पूरवाई चलाई और समुद्र को दो भाग करके,* और *जल को ऐसा हटा दिया, जिससे कि उसके बीच सूखी भूमि हो गई।*
>
> *तब इस्राएली समुद्र के बीच ही सूखे* पर *स्थल स्थल पार हो कर चले:...*

146 यदि आप ध्यान देंगे जब इस्राएल के बालक जो अंधकार से निकल आए और ज्योति को स्वीकार किया, तब उन पर संकट आया, ज्योति वापस पीछे घूम गई। और वे सारी रात सोये। और जबकी वे सो रहे थे, परमेश्वर हवा को भेज रहा था, जो समुद्र के आरपार के बह रही थी बचने के लिए मार्ग खोल रहा था।

147 मेमने को हाल्लेलुय्या! मैं बहुत आनंदित हूं कि आज रात्रि मैं पवित्र आत्मा से भरा हुआ हूं। जबकि सो रहे हैं, आनंद मना रहे हैं, परमेश्वर की प्रतिज्ञा में विश्राम कर रहे हैं!

148 परमेश्वर ने उन से प्रतिज्ञा की, उनके लिए बच निकलने के लिए मार्ग बनाए। और जबकि वे इस प्रतिज्ञा पर विश्राम कर रहे थे, परमेश्वर वहां उनके सामने था, मार्ग को खोल रहा था।

149 प्रत्येक पुरुष और महिला, आज रात्रि, जो उन आधार पर यीशु मसीह को स्वीकार करेगा; पवित्र आत्मा जब आप सो रहे हैं, जबकि आप उसकी प्रतिज्ञा में विश्राम कर रहे है। संभव है आप अपाहिज हो; संभव है आप अंधे हो; संभव है आपको सुनाई नहीं दे सकता; संभव है आप ना देख सकते हो; आप बीमार हो; हृदय रोग, कैंसर, या कुछ मर रहे हो। ज्योति को स्वीकार करें, आज रात्रि, और उस पर निर्भर करें।

150 और हवा आंधी के समान, जैसे पेंटीकोस्ट के दिन आयी, वहां पर उसमें होती हुई चलेगी और आपके लिए मार्ग खुलेगा, हाल्लेलुय्या, ताकि

आप उसमें होकर निकल जाए बीमारी की घाटी में से, फिर से वापस स्वास्थ के देश में। और आप उस ठंडे औपचारिक वंधक उदासीन धर्मों में से होकर निकलेंगे; उस पवित्र आत्मा से भरे देश में प्रसन्न, आनंद करते हुए, आनंद से भरा हृदय।

151 परमेश्वर अपनी सामर्थ दिखाता है और दिखा रहा था। मुझे क्षमा करें, मैं बहुत जोर से बोल रहा हूं। दिखा रहा हूं कि सामर्थ के द्वारा छुटकारा है। उसने वहां पीछे लहू दर्शाया एक चीज पर। यहां उसने अपनी सामर्थ दर्शायी अपने लहू के द्वारा छुटकारे में हो कर। मृत्यु से बचने के लिए अपनी सामर्थ दिखाई लहू में होकर। उसने अपनी सामर्थ दिखाई बच निकालने का मार्ग बनाया, छुटकारे की सामर्थ के द्वारा।

152 और, आज, आप जिन्होंने स्वीकार कर लिया, आमीन, आप जिन्होंने यीशु मसीह का लहू स्वीकार कर लिया, ताकि आपको पाप से शुद्ध करें, पवित्र आत्मा की सामर्थ यहां आपको पवित्र आत्मा के बपतिस्मे तक अगुवाई करने के लिए है। परमेश्वर की सामर्थ यहां पर है कि आपको बीमार से बदलकर स्वस्थ कर दे। परमेश्वर कार्य कर रहा है, अपनी कलीसिया के निर्गमन में! वह अपने पूरा यौवन पर आ रही है, जहां परमेश्वर कुछ देर बाद ऐसा करेगा, अपने दाने। आश्चर्यजनक है, अंधकार में से आ रहे हैं, शानदार ज्योति में! हम इससे कितना प्रेरित करते है! मैं कैसे करता हूं! आज रात्रि, मेरे प्राण के लिए क्या अर्थ है! मित्रों, आप...

153 आज मैं एक व्यक्ति से बात कर रहा था, जो मुझे जब मैं बाहर था तभी मिला। और उसने कहा कि, "मैं लोगों को यह बताने का यत्न कर रहा हूं।" कहा, "मैं बहुत बदल गया हूं, बिली जब तुम बालक थे।" कहा, "तुम आया करते थे और मुझे बताया, मेरे व्यवसाय के स्थान पर कि मुझे परमेश्वर के साथ ठीक हो जाना चाहिए, मुझे परमेश्वर के साथ ठीक हो जाना चाहिए।" और कहा, "एक प्रकार से मैं तुम पर हंसा। परंतु," कहा, "बिली, अब बात बदल गई है।" कहा, "अब मैं जानता हूं कि तुम क्या कहते हो।"

मैंने सोचा, "परमेश्वर की महिमा हो!"

154 उसने कहा, "मैं इस विषय में दूसरों को बताने का यत्न करता हूं," और कहा, "वे विषय को बदल देंगे और हास्य अखबारों के विषय में बात करते जाएंगे या कुछ। ओह, यह मैं नहीं हूं। वह अगला व्यक्ति वहां कोने

में, वह मर सकता है। वह अगला वाला है। संभव है उसका नंबर अगला होगा, नहीं मालूम, किसका अगला नंबर किसका है।" आज रात्रि आपका हो सकता है, मित्र। यही समय हो कि परमेश्वर आपको बुलाता है।

155 परमेश्वर महान पवित्र आत्मा, आज रात्रि मृत्यु और जीवन के मध्य खड़ा है; आज रात्रि यहां खड़ा है, स्वास्थ और बीमारी के मध्य में। मैं जानता हूं कि मैंने इस विषय में क्या कहा है। यह ठीक बात है। ठीक अब वही पवित्र आत्मा जिसको आप अनुभव करते हैं, प्रत्येक नया जन्म प्राप्त किया हुआ बाध्य है कि पवित्र आत्मा को इस कमरे में अनुभव करें। आप इसमें कुछ नहीं कर सकते। यदि आप में कोई जीवन है, तो आप जानते हैं कि वह है। ठीक है।

156 कैसा एक चुम्बक के समान, जब यह... जब एक बड़ा चुम्बक किसी चीज के पास आता है, तो यह हिलना और खिसकना आरंभ कर देता है, (क्यों?) जितना अधिक पास आता जाता है। जैसे एक बड़ा चुंबक नीचे आता है, यहां एक बार, हेमोंड़, इण्डियाना में। मैं देख रहा था कि वे लोहे की छीलन फर्श पर पड़ी थी। उन्होंने एक बड़ा महान हेन्डल खेचा; तो एक बड़ा चुंबक नीचे आ गया। और उन्होंने सारी लोहे की छीलन फर्श के बीच में से साफ कर दी। और जैसे ही यह पास से निकलकर सारी छीलन जो चुम्बक से चुम्बकिय हो गई थी, लोहे की, सीधी उस पर आई और चुम्बक के साथ चली गई। और उन्होंने उसे और चुम्बकिय कर दिया और कुठाली में गिरा दिया, और फिर से ढाल दिया। यहां बहुत सारी एलुमिनियम की छीलन पड़ी रह गई। मैंने कहा, "यह क्यों नहीं गई? "

उसने कहा, "यह चुम्बक से चुम्बकिय नहीं हुई।"

157 मैंने कहा, "परमेश्वर की स्तुति हो।" मैंने कहा, "ये क्यों नहीं गए, लोहे का यह टुकड़ा? "

कहा, "यदि आपने ध्यान दिया, यह नीचे बोल्ट से जड़ा हुआ है।"

158 और मित्रों, आज रात्रि यह बहुत सारे लोगों के समान है। आप कलीसिया के सदस्य हो गए है परंतु पवित्र आत्मा के बपतिस्मे से चुम्बकिय नहीं हुए। तो फिर आपको किसी चीज ने बांध रखा है, कुछ भिन्न ने आपको जकड़ रखा है।

159 परंतु इन्ही किन्ही दिनों में एक महान चुम्बक पूर्व दिशा से आ रहा है, परमेश्वर का पुत्र कहलाया, जो इस राष्ट्र को साफ कर देगा। और प्रत्येक

व्यक्ति जो मसीह में मरा है उसके साथ जाने के लिए जी उठेगा। और यह पुरानी देहे बदल जाएगी और उसकी समानता में हो जाएगी, उसकी अपनी महिमा युक्त देह के समान, जहां पर हम सदा–सदा के लिए, बीमारी से स्वतंत्र, बुढ़ापे से स्वतंत्र, हर चीज से स्वतंत्र होकर जीएंगे; और परमेश्वर की महिमा में, ताकी उसकी उपस्थिति में सदा जीवंत रहे। आमीन। यह आपको भयभीत ना करें। अब मुझे धार्मिक अनुभूति हो रही है। मुझे निश्चय ही हो रही है। ठीक है।

160 "क्योंकि मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और अंत के दिनों में वह इस पृथ्वी पर खड़ा होगा; यद्यपि कीड़े मेरे शरीर को नष्ट कर दे तो भी मैं अपने शरीर में होकर परमेश्वर को देखूंगा; जिसे मैं स्वयं देखुंगा; मेरी आंखें उसे देखेगी, और दूसरा नहीं।"

161 मत सोचिए कि मैं पागल हूं। मैं नहीं हूं। यदि मैं हूँ, मुझे छोड़ दे। मैं इस प्रकार से अधिक आनंदित हूं बजाये किसी और तरह के। जी हां, श्रीमान। मुझे ऐसे ही रहने दें। ओह, निश्चय ही, "पागल," संसार के लिए, वे चीजें जिन्हें संसार पागल कहता है, परमेश्वर उसे धन्य कहता है। आपको "स्वयं के मन को खोना होगा," इस संसार के लिए, क्योंकि (क्यो?) तुम इस संसार के नहीं।

162 जब अलग करने वाली रेखा को पार कर देते हैं, तो आप परमेश्वर के राज्य के अनुयायी हो जाते है। ओह, प्रभु! यह कितना भला है? क्यों, तुम एक नई सृष्टि बन गए, (ओह, प्रभु) जो अब है उससे बदल जाते है। "अब आप परमेश्वर के पुत्र हो गए हैं। अब क्या हम स्वर्गिय स्थानों में एक साथ बैठे हुए है।" ना कि, "बैठेंगे," सह–शताब्दी में। हम अब है, ठीक अब हम परमेश्वर के पुत्र हैं। "इस समय हम मसीह यीशु में, स्वर्गिय स्थानों में बैठे हैं," ना कि केवल कलीसिया में, "मसीह यीशु में।"

163 जीवित हो उठा प्रभु यीशु यहां है। यहां वह अपनी सामर्थ में है। वह यहां अपनी छुड़ाने वाली सामर्थ में है। वह यहां निर्गमन के लिए है। वह यहां प्रत्येक कलीसिया के सदस्य को अपनी संगति में लाने के लिए है। वहां प्रत्येक पापी को, कोई मतलब नहीं आप कितने नीचे है, वह यहां अपनी पुनरुत्थान की सामर्थ को आपके जीवन में और आपको नई सृष्टि बनाने के लिए है।

164 यहां, कुछ वर्षों पहले संसार के सारे धर्मो का मिलन हुआ, मैं विश्वास करता हूं लंदन, इंग्लैंड में, या कहीं। मुझे ठीक से याद नहीं। परंतु, जब वे विभिन्न कलीसियाओं के विषय में बात कर रहे थे, मुसलमान, बुद्धा के लोग, और आदि–आदि। एक साधारण... एक व्यक्ति जो अमेरिकन होलीनेस चर्च का प्रतिनिधि था, मैं विश्वास करता हूं जॉन विट उसका नाम था, मैं विश्वास करता हूं, यही नाम था। इसलिए जब वह खड़ा हुआ उसके बोलने का समय था, इस स्थान पर सारे धर्मों के प्रतिनिधि थे इस बड़े जमघट में, उसने महिला मिकाबी की कहानी सुनाई कि वह कितनी नीच थी; ओखामा में, उसके मुंह में सिगार था, उसे गिरफ्तार किया गया... गति के नियम को कार चलाने से घोडा बग्गी गाड़ी के साथ गली में से निकल रही थी। उसने बहुत सी हत्याये की थी इतनी गंदी थी और इतनी नीच, यहां तक कि जब वे उस पर तारकोल और पंख चिपकाने गए, दंड के रूप में उन्होंने उसे हाथ की नहीं लगाया डरते थे कि दूषित ना हो जाए।

165 और जब उसने कथा को एक नाट्य ढंग से सुनाया जब तक कि प्रत्येक सुनने वाला अपनी कुर्सी पर शांत था। उसने कहा, "संसार के धर्मों के सज्जन लोगो, क्या आपके धर्म में कुछ है जो इस मिकाबी स्त्री के हाथों को शुद्ध कर सके? " किसी ने कोई शब्द नहीं कहा। वह हवा में जोर से उछला अपनी एड़िया आपस में टकराई और हाथों से ताली बजाई। उसने कहा, "कि केवल यीशु मसीह का लहू उसके हाथों को शुद्ध कर सकता है, परंतु वह उसके ह्रदय को भी शुद्ध करेगा।" आमीन। यह ठीक बात है।

166 यीशु मसीह का लहू लुइसविले के केन्टकी की सबसे नीच वैश्या को लेगा, और उस महिला को लेकर उसे एक संत बनाएगा। वह एक शराबी को उसके स्थान से लेगा, और उसे एक सज्जन पुरुष बना देगा, और परमेश्वर का संत।

167 राज्य के मेरे साथी नागरिकों, केन्टकी, और इंडियाना के मेरे साथियों और आसपास के लोगों! क्या आज रात्रि, आप नहीं सोचते, कि यह यीशु मसीह पर विचार करने का समय है, इसके पहले, कि आपका अंतिम अवसर ले लिया जाए?

168 जब, आप देखते हैं कि कलीसिया आपने निर्गमन पर जा रही है, देखते हैं कि अग्नी स्तंभ हमारे आगे–आगे चल रहा है; और चमत्कार, और चिन्ह दिखा रहा है। आज रात्रि वह यहां पर अपनी छुड़ाने वाली सामर्थ में है। वह

यहां पर प्रत्येक पापी को बचाने, और हर पिछड़े हुए को बचाने। वह यहां हर बीमार व्यक्ति को चंगा करने के लिए है।

169 वह संपूर्ण सुसमाचार है। और हम सम्पूर्ण सुसमाचार प्रचार करते है; पूरे मेमने को खाते है। उसे पवित्र आत्मा में भूना है, और जानते हैं कि यह खाने की अच्छी वस्तु है, क्योंकि पवित्र आत्मा ने हमें बांटा है कि यह वास्तव में अच्छा है। "चख कर देखो, कि प्रभु भला है। यह चट्टान के मधु के समान स्वादिष्ट है।"

170 हमारा प्रभु यीशु, यहां पर अपने प्रेम और सामर्थ में है, अपने छुड़ाने की महान आशीषो में! ओह, वह किस प्रकार से आज रात्रि कलीसिया और पाप के बीच में खड़ा है! आपके और न्याय के बीच, लहू बह रहा है; प्रार्थना कर रहा है!

171 अधिक समय नहीं हुआ, मैं ओहियो में एक स्थान पर गया, जहां मुझे न्याय के विचारों को अपने विषय में सुनना था। मैं एक छोटे से डंकड खानपान ग्रह में खा रहा था। हमारी एक महान सभा थी। मुझे शहर से दूर कुछ मीलो पर एक छोटी मोटल में ठहराना था। मैं डंकड रेस्टोरेंट में खा रहा था; भले अच्छे लोग, और रविवार को वे बंद करके चर्च को जाते है। मुझे छोटे साधारण अमेरिकन स्थान पर खाना खाने को जाना पड़ा।

172 जब मैं वहां दरवाजे पर पहुंचा तो मुझे आश्चर्य हुआ, कि वहां पर एक राज्य पुलिस का व्यक्ति, एक लड़की के चारों ओर हाथ डाले खड़ा था, और संगीत के यंत्र को चला रहा था। ओहियो में जुआ खेलना अवैघानिक है, और वहां कानून का व्यक्ति स्वयं कानून तोड़ रहा था। और सम्भवत:, वह मेरी आयू का था, सम्भव है विवाहित होगा कहीं परिवार होगा; एक नवयूवती के हाथ में हाथ डाले वहां पर खड़ा था।

173 मैंने रेस्टोरेंट में दृष्टी, दौड़ायी कुछ लड़के, वहां बैठे हुए पी रहे थे, और युवा स्त्रियों के व्यवहार सभ्य नही थे। मैंने देखा, कि जहां मैं बैठा था वहां दहिनी ओर एक घेरा सा। जहां, मैं बैठने को था।

174 वहां एक बूढ़ी स्त्री लगभग अट्ठावन, साठ वर्ष की बैठी थी, मेरे माँ के जितनी बूढी; वहां बैठी थी झुरियां पड़ी हुई थी, थोड़े से कपड़े पहने हुए। और ओह, यह भयानक था। और उसके पांव के नाखून बैगनी रंग के थे, उसके होठ बैगनी रंग के भयानक दृष्य, जो आपने कभी देखा। उसके बाल बहुत छोटे कटे हुए *इस* प्रकार से बिखरे हुए। और वह पी रही थी।

175 वहां दो पुरुष उसके पास बैठे हुए थे, भयानक दिख रहे थे, पीये हुए, उनमें से एक टेबल की पलेटो पर पसरा हुआ था। और जब वे वहां से उठकर बाहर विश्राम के कमरे में गए...

176 मैं वहां खड़ा हुआ। मैंने सोचा, "ओह परमेश्वर आप यह सब कैसे सहन कर रहे हैं? आप इस प्रकार का यह सब कैसे देख रहे हैं? जब, मैं अपने ह्रदय में, और मैं इतना खराब, तभी, मुझे लगता है कि मैं अपनी छोटी साराह और रिबेका को जो आने वाली पीढ़ी है ऐसे ही ऐसे में कैसे उनका पालन पोषण करूंगा। प्रभु, क्यों नहीं आप इस सबको पृथ्वी पर से साफ कर दे? " मैंने सोचा, "प्रभु, आप ऐसा क्यों नहीं कर देते? "

177 मैं वहां बैठ गया और बस रोना आरंभ कर दिया। मैंने दर्शन देखा। मैंने देखा कि संसार हवा में, घूम रहा है और संसार के चार ओर एक मेघधनुष है। और वह जो मुझसे बोल रहा था, कहा, "कि संसार के चारों ओर यह यीशु मसीह का लहू है, जो संसार, को नष्ट होने से बचाएं हुए है। यदि परमेश्वर पाप को देख सकें, 'जिस दिन तुम उसे खाओगे उस दिन मर जाओगे।' वहां प्रत्येक मनुष्य लहू के नीचे है... एक स्वतंत्र इच्छा कि आप अपना चुनाव करें। परंतु यदि आप कभी मरे, और आपका प्राण अनुग्रह के लहू से दूर हुआ, तो आप इसके पहले वहां पहुंचे आपका न्याय हो गया। आपके लिए कुछ नहीं बचा।"

178 तब मैंने स्वयं को देखा। मैंने अपने प्रभु यीशु को वहां, सिहांसन के ताज को पहने वहां खड़े हुए देखा, और आंसू लहू में मिले हुए बह रहे थे, जैसे कि उसकी दाढ़ी को धोया हो। और मैंने देखा कि मेरे पाप उसके सामने आ रहे है, और हर बार उसके सामने इस प्रकार से आते हैं, [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... जब तक वह हिल ना जाता। और कांटे उसके आंखों के ऊपर माथे में और धंस जाते। वह पीछे डगमगाता। वह कहता, "पिता, इसे क्षमा कर यह नही जानते की क्या कर रहा है।" और मैं फिर से कुछ करता, और उसका लहू कार के बम्पर के समान जो कार को बचाता है, मुझे परमेश्वर के क्रोध से बचा रहा था, अयोग्य होते हुए।

179 और मैं उसके पास धीरे से आया, और उसके सामने घुटने टेके। मैंने कहा... वहां देखा, मेरे सामने वहां पापों की एक पुरानी पुस्तक, और मेरा नाम उस पर लिखा हुआ था। मैंने कहा, "प्रभु, क्या आप मुझे क्षमा करेगे? "

180 "निश्चय ही," उसने प्रेम भरी दृष्टि से कहा, अपनी एक ओर से; हाथ बढ़ा कर लहू लिया, और उस पर लिखा, "क्षमा कर दिया गया।" और उसे पीछे भूल जाने वाले समुद्र में फेंक दिया। उसने कहा, "अब... "

मैंने कहा, "प्रभु, आपका धन्यवाद हो।"

181 उसने कहा, "अब, मैं तुम्हें क्षमा करता हूं; और तुम उसे दोषी ठहरा रहे हो।" ओह, मेरे लिए चित्र बदल गया।

182 मैं—मैं उससे बाहर आया। मैं वहां गया और उसके पास बैठ गया, और बातें करने लगा। और उसका जीवन पीछे कठनाईयों से भरा हुआ था। मैंने कहा, "क्या आप कभी भी मसीही नहीं थी? "

उसने कहा, "मेरा पालन–पोषण मसीही परिवार में हुआ।"

और मैंने कहा, "क्या हुआ? "

183 उसने अपने पति के साथ दुर्व्यवहार के विषय में बताया, और कैसे बालक, और आदि–आदि। मैंने कहा, "इन सारे वर्षों में, क्या आप जब से परमेश्वर से मिली आप कभी भी शांति से नहीं रही? "

उसने कहा, "श्रीमान, यह सच है।"

मैंने कहा, "क्या आप उसे अभी स्वीकार करेगी? "

उसने कहा, "क्या वह मुझे स्वीकार करेगा? "

मैंने कहा, "वह इस समय आपके हृदय के द्वार पर खटखटा रहा है।"

184 और उस मंडप के बाहर, वहां फर्श पर, और लोगों की सुनने वाली सभा के सामने घुटने टेक दिए; गाना सुनाने वाली मशीन रुक गयी, भद्र श्राप रुक गया, और सब कुछ। और मैंने अपने हाथ उठाये, और मेरे हाथ... और वे वह बेचारे झुर्रीद्वार हाथ, और यीशु मसीह के पास अगुवाई करके ले गया। यह ठीक बात है। मित्रों, यही बातें है। मत देखिए... यीशु...

185 मैं चिंता नहीं करता कि आपने क्या किया, आपके पाप कितने काले हैं, आपका जीवन कितना मैला है; परमेश्वर, आज रात्रि खड़ा हुआ, आपके हृदय पर खटखटा रहा है, कि आपको क्षमा कर दे, कोई मतलब नहीं कि आप कौन हो।

186 आईये हम एक मिनट के लिए अपने सिरों को झुकाए। बहन, आप वहां ऑर्गन पर आ जाये, क्या आप आएगी?

187 स्वर्गीय पिता, ओह, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप अब... जब कि पवित्र आत्मा यहां भवन में घूम रहा है। हम पहले स्वर्ग के राज्य की खोज करें, कि आपका समर्थन प्राप्त करें, तब मैं विश्वास करता हूं कि आप रोगियों को चंगा करेंगे। परंतु ठीक अब, पिता, जबकि अनुभव कर रहे हैं एक महान गहरी रूचि, और एक सहमति, लोग जानते हैं कि आपकी कलीसिया निर्गमन में है, और हम न्याय की ओर बढ़ रहे है। नहीं जानता परंतु, प्रातः कोई पलंग के पास आ सकता है, और हम वहां पड़े हुए चले गए। इस समय, कल रात्रि हो सकता है, कहीं मुर्दाघर में हो, आप हमारे प्राण वहां दूर अनंतता में हो।

188 ओह परमेश्वर, यह अंतिम घड़ी हो सकती है! यह अंतिम अवसर हो सकता है कि वह व्यक्ति स्वीकार कर लेगा। कोई संदेह नहीं, बहुत सारे जो यहां पर बैठे हैं, पुरुष और महिलाएं, जिन्होंने इच्छा की, जिन्होंने अच्छा साधारण जीवन व्यतीत किया, परंतु कभी भी नया जन्म नहीं पाया, नहीं जानते कि पवित्र आत्मा से भरना इसका क्या अर्थ होता है एक पूर्णत: समर्पित जीवन; सारी जंजीरों के साथ, सारा संकोच उनसे ले लिया है, और परमेश्वर का आत्मा उन्हें अपने अनुभव में बपतिस्मा देता है।

189 पिता, प्रिय, क्या आज रात्रि आप अपने प्रिय बालक के नाम में, यीशु, हर ह्रदय के पास जाकर और अब इस समय बात करें? और होने पाए कि वे, अपनी ह्रदय की सादगी में अपने विचारों को आपके पास उठाए अपने ह्रदय उठाये और कहे, "यीशु, मैं यहां पर हूं। मुझे जैसा हूं वैसा ही ले ले, और मुझे ढाल कर भिन्न बना दे। मुझे एक प्रकार का मनुष्य बना दे कि मैं आपका हो जाऊं। मेरे सारे जीवन भर, आपने मुझ से बातें की है। आप मुझ से बोले। आपने मुझसे भिन्न करवाना चाहा। आपने मुझसे चाहा कि मैं समर्पित हो जाऊं। परन्तु अब दिन बहुत बीत चुका, प्रभु, मेरे साथ, परंतु अब मैं आने के लिए तैयार हूं।" पिता, इसे ग्रहण करें। जबकि न्याय से, पहले अनुग्रह बुला रहा है रहा है; कलीसिया का निर्गमन मिस्त्र को छोड़ रहा है; होने पाए कि वे आए, उस बड़े झुण्ड के साथ चलते जाए, बुलाए हुए। हम यह उसके नाम में मांगते हैं।

190 और जब कि प्रियो, हम अपने सिरों को झुकाए हुए हैं, और आंखें बंद और मसीही प्रार्थना कर रहे हैं। मुझे अचरज हैं यदि आप अपने हाथ उठाकर, कहे, "भाई ब्रन्हम आप मुझे स्मरण रखें। मैं—मैं विश्वास करता

हूं कि प्रत्येक शब्द जो आप कह रहे हैं वह यीशु मसीह के विषय में सत्य है। और हम सब को पवित्र आत्मा से भर जाने की आवश्यकता है, और, मैं अभी नहीं हूं। मैं एक आराधनालय का सदस्य रहा हूं।" या, हो सकता है कि आप बिल्कुल भी ना रहे हो। संभव है आप एक पापी रहे हो, मसीह को कभी भी ग्रहण ना किया हो। या, आप एक कलीसिया के सदस्य रहे हो, और नया जन्म प्राप्त ना किया हो। क्या आप अपना हाथ उठाएंगे, कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, मुझे अपनी प्रार्थना में, याद रखना। मैं ठीक होना चाहता हूं।"

191 परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको, और आपको, आपको, आपको; और आपको मेरे भाई; और आपको, बहन; और आपको, भाई; आपको, आपको, आपको, भाई, बहन। मैं देखता हूं।

192 ओह, मेरी बायी ओर, उधर कितने है? अपने हाथ उठाये, कहे, "भाई ब्रन्हम मुझे स्मरण रखें, मैं जन्म लेना चाहता हूं।"

193 अब, स्मरण रखें, पवित्र आत्मा आपसे बातें कर रहा है। यदि मैं परमेश्वर का सेवक हूं, मैं उतनी ही निश्चित रूप से जानता हूं जितना कि मैं यहां से इस मंच पर खड़ा हूं, कि पवित्र आत्मा ह्रदयो से बातें कर रहा है। मित्रों, हो सकता है मैं आपके लिए विशेष हूं, परंतु मैं हठधर्मी नहीं हूं। मैं जानता हूं कि मैं क्या बोलता हूं; यदि मैं जानता हूँ कि आपकी क्या परेशानी है, और आपका क्या रोग है, और परमेश्वर आपके लिए मेरी प्रार्थना सुनता है। और ठीक यहां इस भवन में लोग बैठे हैं जो चंगे हुए हैं, कैसर से और अंधेपन से, और बहरेपन से, और अपाहिज, और सब बातें। संसार में चारों ओर सभाओ को देखें। अब आप के विषय में क्या है? अब इसके विषय में क्या है? यदि वह मेरी प्रार्थना इस सब के लिए सुनेगा, तो क्या वह आपके प्राणों की हालत के लिए नहीं सुनेगा? यदि वह मुझ पर यह प्रगट करेगा कि आपकी परेशानी क्या है, तो क्या वह मुझे अब यह भी ना बताएगा कि परेशानी क्या है?

194 कितने और अपना हाथ उठाएंगे, कहेंगे, "भाई ब्रन्हम मुझे स्मरण रखें। मैं चाहता हूं, कि अब परमेश्वर से मांगा जाए कि मुझ पर दयावान हो"? परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको, और आपको, आपको, फिर से। ओह, प्रभु, सारे भवन में चारों ओर!

195 जबकि आपने अपने सिरों को झुका रखा है। मुझे आश्चर्य है, यदि आप, जिसने अपने हाथ उठा रखे हैं, थोड़ा सा अनुग्रह, और कहे, "प्रभु, मुझे इतना अनुग्रह मिला है कि मैं अपना हाथ उठा सका, इतना अनुग्रह और दे कि जब वह प्रार्थना कर रहा है तो मैं खड़ा हो जाऊं। यदि वह आज दिन निकलने के पहले मेरे लिए आता है, प्रभु, तो आपके लिए, मेरा यह चिन्ह है कि मैं ठीक होना चाहता हूं। मैं आपसे किसी दिन मिलना चाहता हूं। यह खाकार मेरी नली में आ जाएगा और मैं मरते हुए तकिये को दबा रखा होऊंगा। डॉक्टर मेरे पलंग के पास से चला जाएगा; तब कुछ नहीं हो सकेगा। परमेश्वर, मेरे प्राण पर अनुग्रह करें। जबकि मृत्यु का ठंडा कोहरा यहां कमरे में तैर रहा है, होने पाए कि सिय्योन की पुरानी नाव आकर, मुझे यहां से ले जाए। प्रभु, मैं खड़ा होने जा रहा हूं। बहुत ही अनुग्रह चाहिए, परंतु मुझे कोई हिला रहा है। मैं खड़ा हूं।" भाई, प्रभु आपको आशीष दे।

196 कोई और खड़ा होकर और कहेगा, "प्रभु, मैं खड़ा हूं।" भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। भाई, बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। खड़े रहे। हर जो इस प्रार्थना में स्मरण करवाना चाहता है, कि आपके प्राणों का उद्धार हो, क्या आप खड़े होंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, नवयुवक। आपको परमेश्वर आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। मेरी बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे; आप भाई।

197 अब कोई और खड़ा हो और कहे, "मैं यहां पर हूं। भाई ब्रन्हम, मैं आपके सामने नहीं खड़ा हूं। मैं परमेश्वर के सामने खड़ा हूं। किसी चीज ने मुझ से खड़े होने को कहा, और मैं खड़ा हूं।" क्या आप यह करेंगे? बस अपने पांव पर पर खड़े हो जाए। बस परमेश्वर को इतना ले ले। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे।

198 वहां अधिक है। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। यह ठीक बात है। बेचारी मां अपने छोटे बच्चे को पकड़े हुए, उठने का यत्न कर रही है, उसकी आंखों में आंसू है। क्या आप नहीं आएंगे? फिर खड़ी हो जाए। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे, बूढ़ी महिला वहां खड़ी हुई है, और वास्तव में बूढ़ी है, यह जानते हुए कि इन्हीं दिनों में उसे परमेश्वर का सामना करना है। परमेश्वर आपको आशीष दे। अब अगला कौन खड़ा होता अब, कहते हैं, "मैं खड़ा होऊंगा"?

प्रार्थना के लिए खड़े रहे।

199 कोई और? मैं अनुभव कर रहा हूं कोई है जो खड़ा होना चाहता है। हो सकता है आप थोड़ा और समीप आना चाहते हैं। उसे अब ना टालें। बस खड़े हो जाए। क्या आप करेंगे? एक आप, जो परमेश्वर के समीप आना चाहते है। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह ठीक बात है। क्या कोई और... परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। जी हां, श्रीमान।

200 कम से कम तीन लोग और है, मैं आपको सीधा–सीधा देख रहा हूं, खड़ा होना चाहिए, क्योंकि वहां परमेश्वर का स्वर्ग दूत खड़ा है। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। यह ठीक बात है। अब, ठीक है भाई, इसके विषय में क्या है? ठीक है। और, प्रभु का स्वर्ग दूत खड़ा है, मैं जानता हूं। मैं इसे देखता हूं, और मैं जानता हूं कि किसी को अब खड़ा होना चाहिए। मैं एक मिनट और प्रतीक्षा करूंगा। परमेश्वर करें... जानिए कि वह आपके ह्रदय पर दबाव डाल रहा है। मेरे मित्र, वह वहां पर खड़ा है। यह वही है जो आपसे खड़ा होने को कह रहा है। क्या आप यह नहीं करेंगे? केवल खड़े होकर उसे स्वीकार कर ले। अभी ठीक है।

201 क्या आप निश्चित है? यदि परमेश्वर आज रात्रि की सभा में आपको बुला ले; यह उपदेश, यह निमंत्रण, आपको वहां से मिलने जा रहा है जब आप मरते है। कि आपने इस विषय में क्या किया? यदि आपके पक्के निश्चित नहीं है, तो अब खड़े हो जाए, ताकि वह आपको देखेगा, कि स्वीकार करना चाहते हैं कि ज्योति में चले।

202 अब, हमारे अनुग्रहकारी स्वर्गिय पिता, यह तेरे प्रिय बालकों ने अपने ह्रदयो को मुलायम किया है, वचन आज रात्रि उनके ह्रदय में गिरा है। "विश्वास सुनने से आता है, और सुनना परमेश्वर के वचन से।" और वे सुन सकते है। और आपने उनके ह्रदयो को कोमल कर दिया है बहुत सारे, पुरुष और स्त्रियां, लड़के और लड़कियां, तुझे अपना प्रिय बचाने वाला और अगुवा स्वीकार करते है।

203 और होने पाए परमेश्वर का स्वर्गदूत, जो आज रात्रि यहां पर है, वह उन्हें जीवन भर उनकी अगुवाई करता रहे। होने पाए अभी उनका मार्गदर्शन कलवरी पर होने पाए, उनके अपने ह्रदय में, और यीशु को अपना बचाने वाला स्वीकार कर ले। और होने पाए पवित्र आत्मा यीशु मसीह के लहू से होते हुए नीचे आये, उनके प्राणों पर आए और सारे भेद निकाल दें, और

उन्हें पवित्र आत्मा के बपतिस्मे से भर दे। होने पाए यह रात्रि उनके जीवन की महान रात्रि हो। हम जानते है, कि यह आज रात्रि के लिए हैं, ये लोग आपको ग्रहण कर रहे है। इसे प्रदान करें, प्रभु, इसी समय। और आज रात्रि ये अपने घरों को प्रसन्न और आनन्दित होते हुए, परमेश्वर की महिमा, अपने पूरे ह्रदय से करते हुए जाये। मैं इस आशीष के लिए यीशु मसीह के नाम में होकर मांगता हूं।

अब होने पाए प्रभु आपको आशीष दे जैसे कि आप बैठे हुए हैं।

204 अब मैं आप लोगों से पूछू। प्रत्येक से जो खड़े हुए थे और आप जानते हैं, जब आप खड़े हुए थे आपको कुछ हुआ अपने हाथ उठाएं। बस अपने हाथ उठाये, आप जानते हैं, कुछ हुआ। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह ठीक बात है। इसे होना है, मित्रों। यह होना है। मैंने खड़े हुए, यहां अभी देखा, वही स्वर्गदूत जिसके विषय में मैंने कहा यहां इस भवन में जा रहा है; प्रभु का वही स्वर्गदूत, अग्नि स्तम्भ। मैं पिछले पाच या दस मिनट से प्रचार कर रहा हूं, उसी प्रेरणा में। मैं इसे अनुभव करता हूं देखिए इस भवन में घूम रहा है। आप, सोच सकते हैं कि मैं आपको कहानी सुना रहा हूं, परंतु यह सत्य है।

205 अब, मैं नहीं सोचता कि मैं अब प्रार्थना पंक्ती को भी बुलाऊं। मैं सोचता हूं कि मैं ठीक यहां पर खड़ा हूं और परमेश्वर से बस इसकी पुष्टि के लिए मांगू कि जो मैंने आपको बताया सत्य है, यह ठीक बात है, चिन्ह, चमत्कारों के साथ।

206 यहां पर कितने है जो चंगे होना चाहते हैं, बीमार लोग? आप जहां भी हैं, हाथ खड़ा करें। बस अपना हाथ उठाकर, कहे, "मैं इसे स्वीकार करता हूं।" ठीक है।

207 मैं चाहता हूं कि आप देखे, जीये, और विश्वास करें। कोई यहां इस सभा में, *यहां* से होते हुए, कोई यहां से केवल देखकर, और कहे, "प्रभु यीशु... "

208 इस प्रकार से। मुझे विश्वास है, यही कारण है कि मैंने पहले वेदी की बुलाहट कि हमें उसका अनुग्रह पाना है। यह मेरे लिए कुछ नया है। मुझे पहले, उसका अनुग्रह प्राप्त करना था। यदि मैं उसका अनुग्रह पा गया, और अनुग्रह कर दिया... और आप, एक, या दो, दर्जन प्राण तभी उसके पास आए। निश्चय ही, निश्चय ही...

209 अब आप, में से प्रत्येक जो मसीह के पास आया है, भली पवित्र आत्मा से भरी हुई कलीसिया पाई है और इसमें जाए। और जब तक उसका बपतिस्मा ना पाये ढूंढते रहे; बस जाए, हर रात्रि हर दिन बस प्रार्थना करते जाएं। और जब आप ढूंढ रहे हैं...

210 अब, आप लोग जो बीमार है। यदि मैंने आपको सत्य बताया है, तो परमेश्वर इस सत्य को प्रमाणित करेगा। यह ठीक बात है। केवल वो ही इसे कर सकते है। और परमेश्वर इसे प्रगट करेगा, यदि आप केवल प्रार्थना करेंगे और अपने संपूर्ण ह्रदय से प्रार्थना करेंगे। केवल देखें, और यह कहे...

211 जब परमेश्वर का वह स्वर्ग दूत मुझे वहां ग्रीन मिल इन्डियाना में आठ वर्षों पहले मिला; बालक होने पर भी, मेरे साथ–साथ रहा, दर्शन दिखाता रहा। जब मैं उसके पास गया, उसने कहा, "यदि तुम सच्चे रहोगे, और लोगों को अपने पर विश्वास करवा लोगे तो तुम्हारी प्रार्थना के सामने कुछ नहीं टिकेगा।"

212 अब, वह आपके लिए भी वैसा ही करेगा जो तब किया। वह मृतकों में से जी उठा है। और वह... यहां श्रोतागण उसके सामने है। वह जानता है कि आप में से प्रत्येक पर क्या है, आपने क्या किया है, आपकी क्या परेशानी है, इस समय में सब कुछ। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो फिर अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करें।

213 मैं देख रहा हूं कि एक नवयुवक यहां बैठा हुआ है, विश्वास पाने का यत्न कर रहा है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर मुझे बता देगा कि आपके साथ क्या गड़बड़ी है? क्या आप? यदि वह यह करेगा तो क्या आप अपनी चंगाई को स्वीकार करेंगे? आपको ह्रदय रोग है। क्या यह ठीक बात नहीं है? क्या हो यदि मैं आपको बताऊं कि आप इससे चंगे हो गए हैं? क्या आप इसका विश्वास करेंगे? एक मिनट के लिए खड़े हो जाए। आपका अधीर और बुडबुड़ाने वाला ह्रदय है। यह कभी–कभी आपको परेशान करता है। केवल तब, आप लेट भी जाते हैं यह आपको आराम देता है, और आपकी धड़कन तेज हो गई, धड़क रहा है। क्या यह ठीक बात है? कारण, यह आपके पेट में बदहजमी कर देता है, उन नाड़ियो के द्वारा आ रहा है। क्या यह सत्य नहीं है? अब आप इससे और परेशान

नहीं होंगे। जो अब आपके पास है उसमें बने रहे, आप घर जा सकते हैं और स्वस्थ बने रहे।

214 मैं आपके मस्तिष्क को नहीं पढ़ रहा हूं। मैं आपसे बिल्कुल अपरिचित हूं। आप केवल वहां बैठे हुए एक पुरुष हैं बस। क्या यह ठीक बात है? आपको अपने जीवन में कभी नहीं देखा, आपके बारे में कुछ नहीं जानता। क्या यह सत्य है? विश्वास कीजिए कि प्रभु यहां पर है!

215 फ्रैंकली, नवयुवक मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं, और आप देखिए कि यदि यह सत्य है या नहीं। अभी कुछ क्षणों पहले अचानक से कुछ विचित्र आपके ऊपर आया, जब मैंने इस विषय में आपसे बात करना आरंभ किया "डंकधारी में से डंक चला गया।" क्या यह सत्य नहीं था? क्या यह विचित्र सी अनुभूति आपको जब वहां बैठे थे नहीं हुई? क्या यह सत्य नहीं है? और उसी समय आप मेरी ओर नहीं देख रहे थे और उसी समय मेरी आँखों ने आपको देखा? तब ही आप चंगे हुए थे, अमने ह्रदय रोग से, ठीक वहीं। आमीन। बिल्कुल ठीक। वह यहां पर है।

216 मित्रों मैं आपके मस्तिष्क को नहीं पढ़ रहा हूं। मैं केवल सत्य बोलता हूं और परमेश्वर इसे सत्य सिद्ध करता है।

217 आप जो उनसे अगले बैठे हैं, क्या सोचते हैं? क्या आप विश्वास करते हैं? क्या मुझ पर परमेश्वर का भविष्यवक्ता होने का विश्वास करते हैं? क्या विश्वास करेंगे यदि परमेश्वर... आप यहां जो सामने की कुर्सी पर बैठे है, यही कारण है कि मैं आप लोगों से बहुत बोल रहा हूं, यह यहां मेरे पीछे और मेरे चारों ओर। परन्तु क्या आप विश्वास करते हैं, यदि मैं आपकी आत्मा से सम्बन्ध स्थापित करूं, परमेश्वर प्रकट करेगा कि क्या गड़बड़ी है? क्या आप अपनी चंगाई स्वीकार करेंगे? आप मधुमेह रोगी है। क्या यह ठीक बात है? यदि यह सत्य है तो आप अपना हाथ उठाये। अपने पैर पर खड़े हो जाए। क्या आप अपनी चंगाई को अब स्वीकार करेंगे? प्रभु यीशु मसीह आपको पूर्ण रूप से चंगा कर दे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

218 विश्वास कीजिए। *यहां* कोई विश्वास करता है। विश्वास कीजिए, अपने संपूर्ण से ह्रदय।

219 मैं वहां एक नवयुवक को नीला सूट पहने बैठा देखता हूं। यह वहां उसके ऊपर खड़ा है। आपको चर्म रोग है, क्या नहीं, नवयुवक? क्या यह ठीक बात है? अपने पैरों पर खड़े हो जाए। ओह, मैं देखता हूं, आप इस

प्रतिनिधि मंडल के साथ है। क्या यह ठीक बात है? अच्छा क्या आप घर चंगे होकर जाना चाहते हैं? अपना हाथ उठा कर कहे, "प्रभु यीशु, मैं अब विश्वास करता हूं कि प्रभु का स्वर्ग दूत अगुवाई पर है। और मैं विश्वास करता हूं कि मैं चंगा हो गया हूं।"

220 उससे अगला व्यक्ति आप इसके विषय में क्या सोचते हैं, क्या आप भी विश्वास करते हैं? एक मिनट के लिए अपने पैरों पर खड़े हो जाएं, ताकि मैं आपको देख सकूं। क्या आप मुझ पर परमेश्वर का दास होने का विश्वास करते है; अपने सम्पूर्ण ह्रदय से? क्या आप अपने ह्रदय रोग पर जयवंत होना चाहते है? आपको यही था क्या नही था? आपको यही "*था,*" मैंने कहा। अब यह आपको नहीं है। आप भी घर जा सकते हैं।

221 उससे अगला व्यक्ति, श्रीमान, आप इस विषय में क्या सोचते हैं? क्या आप अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं? क्या आप मुझ पर परमेश्वर का भविष्यवक्ता होने का विश्वास करते हैं? अपने पैरों पर खड़े हो जाएं। क्या आप अब सम्पूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं? आपको घबराहट रहती है। क्या यह ठीक बात है? समझे? क्या यह ठीक बात है? अपना हाथ उठाये। अब आप घर चंगे होकर जा सकते है। यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

222 उस अगले व्यक्ति के विषय में, क्या है जो पंक्ति के अंत में खड़ा है, क्या आप अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं? अपने पैरों पर खड़े हो जाए। क्या आप मुझ पर परमेश्वर का भविष्यवक्ता होने का विश्वास करते हैं, उसका दास होने का? आप विश्वास करते हैं कि वह मुझे बता देगा कि आपके साथ क्या गड़बड़ी है, ताकि आप अपनी चंगाई को स्वीकार करेंगे? यह आपके गले में है। क्या यह ठीक बात है? घर जाएं और यीशु मसीह के नाम में स्वस्थ रहें।

223 इस भवन में कोई और जो चंगा होना चाहता है, हाथ उठाकर चंगा हो सकता है। यदि आपने मुझ पर विश्वास किया है, एक परमेश्वर के सेवक के समान, अपने पैरों पर खड़े हो जाए। परमेश्वर आपको आशीष दे। स्त्री रोग, कैंसर, यह जा रहा है। परमेश्वर आशीषित करें! आप में से प्रत्येक परमेश्वर की ओर अपने हाथो को उठाएं।

224 हमारे स्वर्गीय पिता, अब इस भवन की प्रत्येक बीमारी को मैं दोषी ठहराता हूं, हर प्रेत आत्मा को निकाल दे, और पवित्र आत्मा अपना अधिकार ले ले और प्रत्येक व्यक्ति को चंगा कर दे।

225 अपने हाथ एक दूसरे पर रखें और कहे, "प्रभु की महिमा हो," हर जगह। और आनंदित और प्रसन्न रहे, क्योंकि यीशु मसीह यहां पर है, परमेश्वर का मेमना, आपको चंगा करने के लिए, प्रत्येक।

सामर्थ के द्वारा छुटकारा HIN54-0329

(Redemption By Power)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में सोमवार शाम, 29 मार्च, 1954 को द चर्च ऑफ द ओपन डोर, लुइसविले, केंटकी, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org